जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, बुधवार 25 जनवरी, 2023

66 वर्षों का विश्वास

SINCE 1956 ओसवाल OSWAL SOAP GROUP

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

ओसवाल का कमाल

कपड़ों में डाले नई जान

ओसवाल वॉशिंग रेंज के साथ कीजिये कपड़ों की ऐसी दमदार धुलाई जिससे रेशा-रेशा खिले, पर रंग न छूटे। ओसवाल से धोइए और कपड़ों को रखिए एकदम चकाचक!

बेहतर सफ़ाई

कपड़ों की देखभाल

पैसे की बचत

कपड़ों की चमक व रंग बरकरार

बरसों का विश्वास

MercuryDesign.in

नकली माल से सावधान

ओसवाल सोप ग्रुप

अधिक जानकारी के लिए
+91 91161 71956, 96802 01956
पर कॉल करें

विपणन :
उत्तम चंद देसराज

अब घर बैठे मँगवाए ओसवाल उत्पाद

OswalSoap.com पर जाएं या स्कैन करें और **ओसवाल एप** डाउनलोड करें

GET IT ON Google Play

विचार बिन्दु

कार्य ही सफलता की बुनियाद है। –पाब्लो पिकासो

इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर तेजी से बढ़ता रुझान

क्या भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीदने का सही समय आ गया है? ये सवाल इन दिनों हर उस शख़्स के मन में आता है जो नई गाड़ी खरीदने की सोच रहा होता है। कुछ लोग उन्हें यह सलाह देते हुए मिल जाते हैं कि हैं कि आने वाला समय इलेक्ट्रिक गाड़ियों का ही है तो उसी पर खर्च करो। वहीं कुछ लोग ऐसी सलाह देते हुए भी मिल जाते हैं कि इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए अभी देश तैयार नहीं है और इसे खरीदने पर कई मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। मगर यह सच है कि अब सड़कों पर ट्रेफिक में काफी संख्या में बिजली से चलने वाले वाहन नज़र आने लगे हैं। शहरों में इलेक्ट्रिक रिक्शाओं की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। महंगी कारें ही नहीं बैटरी से चलने वाले छोटे स्कूटर भी लगातार अपनी बढ़ी हुई उपस्थिति दर्शा रहे हैं। अब यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में देश में पेट्रोल और डीज़ल के वाहनों का स्थान इलेक्ट्रिक वाहन तेजी से लेंगे। इसके लिये वाहन उद्योग और उपभोक्ता दोनों तैयार लग रहे हैं। उद्योग जगत का अनुमान है कि वर्ष 2030 तक देश में कुल वाहनों की बिक्री में बैटरी से चलने वाले वाहनों की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत तक हो जाएगी। अधिकृत आंकड़ों के अनुसार अभी देश में बैटरी से चलने वाले करीब 14 लाख वाहन सड़कों पर हैं। राजस्थान में भी 82 हजार से अधिक ऐसे वाहन चल रहे हैं। भारी उद्योग के राज्य मंत्री ने पिछली बार राज्यसभा में एक लिखित जवाब में बताया था कि 3 अगस्त 2022 तक भारत में सबसे ज़्यादा इलेक्ट्रिक व्हीकल के तौर पर थ्री-व्हीलर यानी ई-रिक्शा मौजूद हैं, जिनकी संख्या तब क़रीब 8 लाख थी। उसके बाद टू-व्हीलर का नंबर आता है जो पांच लाख से ऊपर है, और फिर चार पहियों वाली गाड़ियां आती हैं, जो 50 हज़ार से थोड़ी ज़्यादा संख्या में इस्तेमाल हो रही हैं। उत्साहवर्धक आंकडे बताते हैं कि वित्तीय वर्ष 2021-22 में देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल की बिक्री उसके पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले तीन गुना बढ़ी। जलवायु और पर्यावरण संरक्षण तथा कार्बनिक ईंधन के कम होते स्त्रोतों के चलते दुनिया भर में पेट्रोल और डीज़ल के वाहनों की जगह इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को अपनाने के प्रयास चल रहे है। इन प्रयासों में बिजली से चलने वाले वाहनों की क्षमता बढ़ाने और उन्हें उपभोक्ताओं को वाजिब दाम पर मुहैया कराना शामिल है। बिजली से चार्ज होकर चलने वाले वाहनों की बिक्री को बढ़ावा देने के लिये केंद्र सरकारने पिछले काफी समय से क्रमवार अनेक कदम उठाये हैं। इनमें एक है इलेक्ट्रिक व्हीकल पर लगने वाले जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया जाना। इसके अलावा चार्जिंग स्टेशनों की जगहों का चयन और उनके लिये स्थानीय निकायों के नियमों की व्यवस्था करना और बैटरी स्वेपिंग के विकल्प की संस्थानिक व्यवस्थाएं करना भी शामिल है।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों से जुड़े आंकड़ों के साथ ही उन परेशानियों और चुनौतियों की भी चर्चाएं हो रही हैं हमारे सामने खड़ी हैं। इलेक्ट्रिक गाड़ियों की क़ीमत पेट्रोल या डीज़ल गाड़ियों की तुलना में ज़्यादा होती है। भले ही सरकार इन पर अलग-अलग तरह की रियायतें दे रही है, लेकिन फिर भी इन्हें खरीदने के लिये ठाहक को पेट्रोल-डीज़ल की गाड़ियों के मुकाबले अधिक दाम देने पड़ते हैं। बाज़ार के विशेषज्ञों का कहना है कि जब बिजली से चलने वाले वाहनों की बिक्री बढ़ेगी और प्रतिस्पर्धा आएगी तब उनके दाम कम होंगे क्योंकि बाज़ार की ताकतें कम मुनाफे पर अधिक संख्या में माल बेच कर कुल लाभ अधिक कमा लेती हैं। इसके अलावा इन वाहनों पर उत्पादन लागत भी समय के साथ कम होने की आशा की जा सकती है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों में लीथियम आयन बैट्रियों का इस्तेमाल किया जाता है। बताया जाता है कि ये बैट्रियां छह से सात साल तक ही चल पाती हैं। इसके बाद इन्हें बदलना पड़ता है। बैट्रियों का कम जीवन काल ऐसे वाहन खरीदने वालों के मन में संशय पैदा करता हैं। दरअसल एक बैट्री की कीमत किसी इलेक्ट्रिक गाड़ी के तीन-चौथाई रकम के बराबर होती है।

बिजली से चार्ज होकर चलने वाले वाहनों की बिक्री को बढ़ावा देने के लिये केंद्र सरकार ने पिछले काफी समय से क्रमवार अनेक कदम उठाये हैं। इनमें एक है इलेक्ट्रिक व्हीकल पर लगने वाले जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया जाना। इसके अलावा चार्जिंग स्टेशनों की जगहों का चयन और उनके लिये स्थानीय निकायों के नियमों की व्यवस्था करना और बैटरी स्वेपिंग के विकल्प की संस्थानिक व्यवस्थाएं करना भी शामिल है।

हालांकि सरकार ने पिछले साल प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना को मंज़ूरी दी थी। यह योजना देश में एडवांस केमिस्ट्री सेल (एसीसी) के निर्माण के लिए लाई गई, जिससे बैट्री की कीमतों को कम किया जा सके। देश में इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए चार्जिंग स्टेशन की भारी कमी अभी देखने को मिलती है। जिस तरह हमें हर हाइवे या सड़क पर पेट्रोल पंप दिख जाते हैं, उसके मुकाबले चार्जिंग स्टेशन बहुत ही कम जगहों पर मिलते हैं। यह स्वाभाविक ही है क्योंकि अभी बिजली से चलने वाले वाहनों की संख्या कम है। भारत सरकार के मुताबिक देशभर में इस समय 1740 पब्लिक चार्जिंग स्टेशन चल रहे हैं। कई बार यह सुझाव दिया जाता है कि पेट्रोल पंप पर ही इलेक्ट्रिक गाड़ियों को चार्ज करने की सुविधा भी दी जानी चाहिए। लेकिन इसमें एक बड़ी चुनौती यह है कि इलेक्ट्रिक गाड़ियों को चार्ज करने में एक से पांच घंटे का समय लगता है। ऐसे में बिजली के वाहनों को चार्ज करना किसी गाड़ी में पेट्रोल, डीज़ल या सीएनजी डलवाने जितना तेज़ी से नहीं हो सकता। इसके अलावा घर पर वाहन की बैट्री को चार्ज करने में भी अलग तरह की चुनौतियां हैं। आमतौर पर दोपहिया गाड़ियों या ई-रिक्शा की बैट्री को लोग घरों में ही चार्ज करते हैं। इसमें लंबा वक़्त लगता है इसलिये सुबह गाड़ी तैयार रखने के लिए उसे रात में चार्ज पर लगा दिया जाता है। चार्जिंग स्टेशन की कमी के साथ ही गाड़ियों की रेंज को लेकर भी ड्राइवरों के मन में डर पैदा होता है। अक़्सर लंबी दूरी तक गाड़ी चलाने वाले ड्राइवर इलेक्ट्रिक गाड़ियों की कम रेंज से परेशान होते दिखते हैं। लेकिन अब धीरे-धीरे तकनीकी कुशलता से यह रेंज बढ़ाई जा रही है। ब्यूरो ऑफ़ एनर्जी एफिसिएंसी के मुताबिक दोपहिया इलेक्ट्रिक गाड़ियों की रेंज 84 किलोमीटर प्रति चार्ज बताई गई है। वहीं चौपहिया इलेक्ट्रिक गाड़ियों की औसत रेंज 150 से 300 किलोमीटर प्रति चार्ज बताई गई है। सरकार का कहना है कि बेहतर बैट्री और ज़्यादा चार्जिंग स्टेशन लगवा कर इस समस्या को दूर किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों में हर कंपनी अपने अलग-अलग चार्जिंग पोर्ट देती है। इससे इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए यूनिवर्सल चार्जिंग सिस्टम बनाने में बड़ी दिक्कत होती है। भारत के ईवी मार्केट में अभी भी चार्जिंग पोर्ट के लिए कोई एक मानक तय नहीं किया गया है। यह दिक्कत सबसे ज़्यादा दोपहिया इलेक्ट्रिक गाड़ियों दिखती है जहां अलग-अलग तरह की बैट्री और उनके अलग-अलग चार्जिंग पोर्ट बाज़ार में मिलते हैं। आने वाले समय में सरकार या बाज़ार स्वयं ऐसा मानक बना सकते हैं। वैज्ञानिक बताते हैं कि गाड़ियों की परफॉर्मेंस में मौसम और तापमान का भी बड़ा योगदान होता है। बिजली के वाहनों के लिये तो मौसम तथा तापमान और ज़्यादा बड़े फैक्टर बन जाते हैं। सामान्यतौर पर किसी इलेक्ट्रिक गाड़ी के बेहतर परफॉर्मेंस के लिए औसत तापमान की रेंज 15 से 40 डिग्री सेल्सियस मानी जाती है। लेकिन भारत में जहां पहाड़ी इलाकों में तापमान बेहद नीचे गिर जाता है तो वहीं पश्चिमी इलाकों में तापमान बहुत ऊपर रहता है। ऐसे में पूरे देश के लिए एक तरह की इलैक्ट्रिक गाड़ियों से काम नहीं चल सकता। मगर बढ़ते प्रदूषण और तेल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए यह तो तय है कि आने वाला समय इलेक्ट्रिक गाड़ियों का ही है।

बिजली से चलने वाहनों का समय आ गया है इसका प्रमाण है कि ऐसे वाहन दुनिया भर में अपना स्थान बनाने लगे हैं। उपलब्ध आंकड़ों और उनके आधार पर लगाए गये अनुमानों के अनुसार, इलेक्ट्रिक-वाहन की दुनिया भर में बिक्री ने पिछले साल एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार कर लिया है। उसने पहली बार लगभग 10 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी हासिल कर ली। कुल बाजार में बिजली से चलने वाले वाहनों का हिस्सा मुख्यत: यूरोपीय संघ और चीन में बढ़ रहा है। पिछले साल इलेक्ट्रिक वाहनों की वैश्विक बिक्री लगभग 7.8 मिलियन यूनिट थी, जो उसके पिछले वर्ष से 68 प्रतिशत अधिक थी। इस परिवर्तन के दौर में भारत भी पीछे नहीं है जहां इन वाहनों के निर्माण और बिक्री में तेजी आ रही है। इसके लिये सरकारी स्तर पर जो प्रारम्भिक तैयारियां की गई है वह भी मददगार साबित हो रही है। नयी तकनीक वाले इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण और संचालन के लिये कानूनों में आवश्यक संशोधन किये गये हैं तथा उनकी बिक्री को प्रोत्साहन देने के लिये अनेक उपाय किये गये हैं। आम तौर पर आधारभूत ढांचा तैयार करने में शासन तंत्र बहुत धीमे काम करता है किन्तु यह जानना सुखकर है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की व्यवस्थाएं करने में बेहद त्वरित गति से भविष्य को ध्यान में रख कर काम हुआ है। उधर निजी निर्माण क्षेत्र भी पीछे नहीं है और वह भारतीय ग्राहकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिये तत्पर है। बाजार की प्रतिस्पर्धा भी इन वाहनों की गुणवत्ता तो सुनिश्चित करेगी ही साथ ही उनके दामों पर भी नियंत्रण रखेगी। बाजार के समीक्षकों का कहना है कि आने वाले समय में जब वाहनों की बिक्री का वॉल्यूम बढ़ेगा उससे भी इनके दामों में कमी आएगी। यह सभी के लिये लाभ का सौदा होगा और पर्यावरण के संरक्षण में एक लंबी छलांग भी होगी और इसमें भारत अग्रिम पंक्ति में खड़ा मिल सकता है।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

बाजरा सहित मोटे अनाज की विदेशों में करनी होगी एग्रेसिव मार्केटिंग

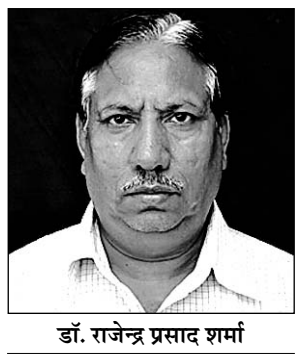

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

जंक फूड के जद में आए दुनिया के देशों को मोटे अनाज का महत्व समझाने की पहल तो भारत ने 2018 को कदन्न वर्ष मनाकर ही कर दी थी और उसी का परिणाम रहा कि मार्च, 2021 में भारत द्वारा मोटे अनाज के महत्व को एक बार फिर समझाने के लिए 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित करने का प्रस्ताव रखा तो दुनिया के 72 देशों ने भारत के प्रस्ताव का समर्थन किया। अब योजनावद्ध तरीके से विदेशों में भारत के मोटे अनाज के निर्यात को बढ़ावा देने के प्रयास शुरु कर दिए गए हैं। दिसंबर में रोम में अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष का आगाज हो चुका है। विदेशी धरती पर बायर सेलर मीट जैसे आयोजन आरंभ कर दिए गए हैं। उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच सीधा संवाद कायम करने की कार्ययोजना पर अमल शुरु हो गया है। दरअसल अब लोगों को समझ आने लगा है कि कुपोषण के खिलाफ मोटा अनाज हथियार के रुप में उपयोग में लाया जा सकता है तो दूसरी और हाइपरटेंशन और शुगर जैसी बीमारियों में भी मोटा अनाज कारगर सिद्ध हो सकता है।

वह दिन दूर नहीं जब दुनिया के देश हमारे बाजरे के स्वाद से रुबरु होने लगेंगे। आज मोटे अनाज को देश और विदेश दोनों ही जगह लोकप्रिय बनाना शुरु हो गया है। अब भारत के मोटे अनाज खासतौर से बाजरा को दुनिया के देशों में पहुंचाने की पहल आरंभ हुई है। सरकार ने विदेशों में मोटे अनाज को लोकप्रिय बनाने और बाजरा आदि के निर्यात को बढ़ाने का पूरा रोडमैप तैयार कर क्रियान्वयन आरंभ कर दिया है। एपिडा सहित अन्य निर्यातक संस्थाओं द्वारा इसके लिए संयुक्त प्रयास किए जा रहे हैं तो विदेशों में रोड शो, फूड फेस्टिवल, कॉन्क्लेव आदि के आयोजन से मोटे अनाज से बने उत्पादों से विदेशियों को आकर्षित करने और निर्यात को बढ़ावा देने के प्रयास शुरु हो गए हैं। दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सांसदों को मोटे अनाज से तैयार व्यंजनों से लंच दिया जा चुका है। अन्य आयोजनों में भी मोटे अनाज से तैयार व्यंजनों को भी प्रमुखता से स्थान दिया जा रहा है। बाजरा व अन्य मोटे अनाज और उनसे तैयार उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाजार तैयार करने की सकारात्मक शुरुआत हुई है जिसके परिणाम प्राप्त भी होने लगे हैं।

यही कोई चार-पांच दशक पुरानी बात होगी। संदर्भ तो राजस्थान से ही ले रहा हूं पर कमोबेस यही स्थिति देश के अन्य प्रदेशों में भी रही होगी। जब घर पर कोई मेहमान आता था या तीज त्यौहार होता था तभी घर में मीठे के रुप में चांवल और गेहूं की चपाती बना करती थी। अन्यथा दिन-प्रतिदिन का खाना तो सर्दियों में बाजरा-मक्का की रोटी, बाजरा की राबडी या मक्का का दलिया या गर्मियों में जौ का दलिया और इसके साथ इसी तरह से मोटे अनाज की रोटी और हरी सब्जियां, कढ़ी जिसे गांव देहात की बोली में खाटा कहकर पुकारा जाता था बड़े चाव के साथ के खाते थे। फिर एक दौर चला जब मोटे अनाज की जगह गेहूं ने ले ली और फिर आज तो लोग गेहूं चांवल को भी छोड़कर जंक फूड पर जोर देने लगे हैं जिसके परिणाम साफ-साफ दिखाई देने लगे हैं। दवाइयों के सहारे जीवन गुजरने लगा है तो इम्यूनिटी भी बुरी तरह से प्रभावित होने लगी है। खैर यह तो रही एक बात।

अब यदि हम खेती किसानी की भी चर्चा करें तो देखेंगे कि मोटे अनाज की खेती कम लागत और कम पानी की खेती होती है। अब वह चाहे बाजरा हो, मक्का हो, रागी हा, ज्वार हो या और इसी तरह का मोटा अनाज। दूसरी बात यह कि इनमें रोग भी कम लगते हैं तो जहरीले कीटाणु नाशकों का उपयोग भी ना के बराबर ही होता है। इस सबके बावजूद एक बात और मोटे अनाज का रकबा धीरे-धीरे घटने के बावजूद यदि बाजरे की ही बात करें तो सारी दुनिया में उत्पादित कुल बाजरे का 41 फीसद बाजरा हमारे देश में उत्पादित होता है। राजस्थान में तो बाजरा खरीफ की प्रमुख फसलों में से एक है। आज सभी राजनीतिक दल और किसान समर्थक संगठन किसानों की आय बढ़ाने की बात कर रहे हैं। तो यह भी साफ हो जाना चाहिए कि मोटे अनाज के निर्यात की मार्केटिंग सही तरीके से होती है और इसके उत्पादों को बाजार में आक्रामक रणनीति के साथ उतारा जाता है तो अंततोगत्वा इसका फायदा किसान को ही जाना है। यह अपने आप में कटु सत्य है।

अन्तरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष का फायदा उठाने के लिए नई रणनीति के अनुसार आगे बढ़ना होगा। हांलाकि सरकार ने दक्षिण अफ्रिका, दुबई, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, जर्मनी, अमेरिका, इंग्लैण्ड सहित विदेशों में रोड शो, प्रदर्शनी, फूड फेस्टिवल आदि आयोजित करने का रोडमेप तैयार किया गया है। निश्चित रुप से इसके परिणाम सकारात्मक ही प्राप्त होंगे। क्योंकि कदन्न वर्ष के बाद जिस तरह से 2021-22 में जिस तरह से बाजरा के निर्यात में 8 प्रतिशत से भी अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है उससे यह साफ हो जाता है कि विदेशों में बाजरा सहित भारतीय मोटे अनाज की मांग बढ़ेगी और इसका लाभ देश के किसानों को भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से मिलेगा। अब सरकार को मोटे अनाज का रकबा बढ़ाने, रोगरोधी व कम समय व कम लागत में अधिक उत्पादन देने वाले किस्में विकसित करने जैसे ठोस कदम भी उठाने पड़ेंगे जिससे देशी और विदेशी दोनों स्तर पर लाभ मिल सके।

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

ग्राम पंचायत घटोर व भाखरिया में बिजली संकट

- बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों की भी पढ़ाई बाधित हो रही है
- घटोर के ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देकर समस्या बताई

बाप, (निसं)। जोधपुर जिले में बाप समिति क्षेत्र की ग्राम पंचायत घंटोर व भाखरियां में बीते डेढ माह से बिजली समस्या से ग्रामीण बेहद परेशान है। बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों की भी बिजली के अभाव में पढ़ाई बाधित हो रही है।

घटोर के ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देकर बताया कि घटोर में करीब डेढ महीने से विद्युत सप्लाई अनियमित बनी हुई है। जिसके कारण विद्यार्थियों के साथ आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सुबह पांच बजे ही बिजली चली जाती है। दिन में भी लंबे समय तक बिजली सप्लाई बाधित रहती है। शाम के समय भी सुचारू रूप से बिजली नहीं मिल पा रही है। ग्रामीणों ने रोष प्रकट करते हुए बताया कि डिस्कॉम कार्यालय में संपर्क करने पर संतोषजनक जवाब तक नहीं दिया जा रहा है। अगले माह 10 वी व 12वी की बोर्ड परीक्षाएं शुरू होगी। जिसकी तैयारी को लेकर बच्चों ने पढाई शुरू कर दी है, लेकिन बिजली के अभाव में उनकी पढाई भी बाधित हो रही है।

इस दौरान बालमद्दीन, शिबू खां, शैतानराम, मजीद खां, सदीक, हुजुर, अयूब, मेहरदीन, आरूफ, अश्कर आदि मौजूद रहे। इसी तरह भाखरिया के ग्रामीणों ने गांव स्थित जीएसएस पर प्रदर्शन किया तथा डिस्कॉम के एक्सईएन के नाम का ज्ञापन वहां कार्यरत लाइनमैन को सौंपा। सरपंच पेंपो सहित ग्रामीणों ने बताया कि भाखरिया पंचायत में डिस्कॉम ने कृषि कनेक्शन फीडर से ही घरेलू कनेक्शन दे रखे है। इस वजह से आम उपभोक्ताओं को 6 से 7 घंटा बिजली ही मिल पा रही है। यह भी निर्बाध रूप से नहीं मिल पा रही है। इसमें भी बिजली आती जाती रहती है। बिजली के अभाव में लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

ग्रामीणों ने कहा कि घरेलू विद्युत लाइन नलकूप लाइन से अलग करके स्थाई समाधान किया जाए, अन्यथा ग्रामीण आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। इस मौके पर चतुराराम, यासीन, याकुब, बाबूराम, असलम, अकरम, गनीखां, मौलाना जोसफ सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

फाइटर पायलट प्रतिभा पूनिया की घोड़ी पर बैठाकर बिंदौरी निकाली

- सुजानगढ़ में पारीक समाज के अध्यक्ष ओमप्रकाश बोहरा ने अपनी सातवीं पुत्री आईना पारीक की भी घोड़ी पर बैठाकर बिंदौरी निकाली

सादुलपुर/सुजानगढ़, (निसं)। भारतीय सेना की लड़ाकू विमान उड़ाने वाली फाइटर पायलट प्रतिभा निवासी नरवासी हाल राजगढ़ की शादी से पूर्व घोड़ी पर बैठाकर डीजे की देशभक्ति धुनों के साथ बिंदौरी निकाली गई।

पीटीआई चंदगीराम पूनिया के पुत्रों विक्रम व रामनिवास पूनिया ने सर्वोदय स्कूल के पीछे स्थित निवास पर बान दिया एवं बिंदौरी निकाली। इस मौके पर मामा सुनील श्योराण, भाई प्रेम पूनिया, मनजीत पूनिया कृष्ण महड़ा, शिक्षक नेता मनोज पूनिया, कृष्ण गवालिसर व संदीप पूनिया सर्वोदय स्कूल आदि ने भाग लिया। इसी दौरान प्रतिभा के पिता सैनिक छोटूराम पूनिया एवं माता वरिष्ठ अध्यापक उर्मिला पूनिया मौजूद रहे।

भारतीय सेना की लड़ाकू विमान उड़ाने वाली फाइटर पायलट प्रतिभा की बिंदौरी निकाली गई।

वहीं सुजानगढ़ में गोपीनाथ मन्दिर के पास रहने वाले पारीक समाज के अध्यक्ष ओमप्रकाश बोहरा ने अपनी सातवीं पुत्री आईना पारीक की शादी बडे ही धूमधाम से की।

ओमप्रकाश बोहरा ने कहा कि उनके सात पुत्रियां है। जिसकी शादी 26 जनवरी को है। शादी से पहले उन्होंने अपनी पुत्री की घोड़ी पर बिठाकर डी.जे के साथ बन्दौरी निकाली। बन्दौरी में वार्डवासी पण्डित लालचंद कौशिक, राजकुमार पारीक, बीदासर पंचायत समिति प्रधान संतोष मेघवाल, जयश्री दाधीच, कमल दाधीच, गणेश मण्डावरिया ने आईना पारीक को वैवाहिक जीवन की बधाई और शुभकामनायें दी।

ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 811वें सालाना उर्स की रौनक परवान चढ़ने लगी

- राज्यपाल कलराज मिश्र, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के इंद्रेश कुमार व रालोद प्रमुख चिराग पासवान की ओर से चादर पेश
- राज्यपाल ने संदेश में प्रदेशवासियों के सुखद स्वास्थ्य, खुशहाली और संपन्नता की दुआ की

अजमेर, (कासं)। विश्व विख्यात सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 811वें सालाना उर्स की रौनक परवान चढ़ने लगी है। धार्मिक रस्मों में अकीदतमंद शामिल होकर सराबोर हो रहे हैं। मंगलवार को उर्स की दूसरी महफिल संपन्न हुई। दरगाह दीवान द्वारा गुसल की रस्म निभाई गई।

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के इंद्रेश कुमार व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक दल के प्रमुख चिराग पासवान की ओर से चादर पेश की गई। राज्यपाल मिश्र का संदेश आम जायरीन को पढ़कर सुनाया गया। ख्वाजा साहब के उर्स में शरीक होने के लिए पाकिस्तानी जायरीन का दल बुधवार को अजमेर आएगा। ख्वाजा गरीब नवाज के 811वें उर्स के मौके पर नेताओं और अभिनेताओं की ओर से दरगाह में चादर पेश की जा रही है। इस कड़ी में बॉलीवुड की अभिनेत्री सोनिया शर्मा द्वारा चादर पेश की गई, साथ ही सभी कलाकारों की अच्छी सेहत और कामयाबी के लिए दुआ मांगी गई।

राज्यपाल कलराज मिश्र के प्रमुख विशेषाधिकारी गोविंद राम जायसवाल ने मजार शरीफ पर पहुंच कर राज्यपाल की तरफ से चादर पेश की।

मंगलवार को दरगाह के ऐतिहासिक महफिल खाने में दरगाह दीवान की सदारत में दूसरी महफिल में कव्वालों ने ख्वाजा साहब की शान में सूफियाना कलाम पेश किए। देर रात्रि दरगाह दीवान जेनुल आबेदीन अली खान ने ख्वाजा साहब की पवित्र मजार पर गुसल की रस्म अदा की। राज्यपाल कलराज मिश्र की ओर से ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती के 811 वें सालाना उर्स के मौके पर मंगलवार को दरगाह पर चादर पेश की गई।

अजमेर में राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी गोविंद राम जायसवाल ने मंगलवार को मजार शरीफ पर पंहुच कर राज्यपाल की तरफ से चादर पेश की। उनके साथ परिसहाय स्क्वाड्रन लीडर राहुल भार्गव भी थे। जियारत सैय्यद बारि चिश्ती एवं सैय्यद वसीम चिश्ती ने करवाई। इस दौरान राज्यपाल मिश्र का संदेश भी पढकर उन्होंने सुनाया। राज्यपाल मिश्र ने इस अवसर पर अपने संदेश में प्रदेशवासियों के सुखद स्वास्थ्य, खुशहाली और संपन्नता की दुआ करते हुए देश-दुनिया से अजमेर आ रहे जाइरीन को मुबारकबाद भी दी।

ख्वाजा साहब के 811वें सालाना उर्स में शामिल होने के लिए देश के विभिन्न प्रदेशों बिहार, उत्तर प्रदेश, कोलकाता, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, केरल आदि से बड़ी संख्या में जायरीन के आने का सिलसिला जारी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से 811वें उर्स पर चादर बुधवार को पेश की जाएगी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 25 जनवरी, 2023

माघ मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 8:05 तक, परिद्य योग सांय 6:15 तक, विष्टि करण दिन 12:35 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 2:29 पर मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

कुमार योग दिन 12:35 से रात्रि 8:05 तक है। रवियोग रात्रि 8:05 तक रहेगी। आज भद्रा दिन 11:35 तक रहेगी। आज विनायक चतुरथी, श्रीगणेश पूजा और बसन्त पंचमी, पंचक है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:59 तक, शुभ 11:19 से 12:34 तक, चर 3:19 से 4:38 तक, लाभ 4:38 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:58

मेष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कर्क

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बढ़ेगा।

कन्या

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित मामलों में सोच-विचार हो सकता है। उचित परामर्श मिलेगा। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृश्चिक

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु

घर-परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

मीन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 267 प्रभात चूरू, बुधवार 25 जनवरी, 2023 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

राहुल गांधी ने सार्वजनिक मंच से दिग्विजय सिंह की टिप्पणी को गलत बताया

पर, राहुल गांधी ने साथ में यह भी कहा कि, कांग्रेस में आपसी बातचीत से पार्टी के विचार तय होते हैं, भाजपा व संघ की तरह ऊपर से नहीं थोपे जाते

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि वे कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के ''बयान'' से पूरी तरह असहमत हैं। ज्ञातव्य है कि पूरी ''भारत जोड़ो यात्रा'' में गांधी के साथ रहे दिग्विजय सिंह ने 2019 की सर्जिकल स्ट्राइक पर एक अनौपचारिक टिप्पणी की थी।

जम्मू के झज्जर कोटली कस्बे में आयोजित एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि दिग्विजय का संदर्भित बयान उनका निजी बयान है। कांग्रेस इसे खारिज करती है क्योंकि ''हम अपनी भारतीय सेना का सम्मान करते हैं तथा हम सेना द्वारा किये गये किसी कार्य का साक्ष्य या सबूत नहीं माँगते क्योंकि हमें अपनी सेना पर गर्व है।''

एक प्रश्न के उत्तर में राहुल ने कहा: ''हम एक लोकतांत्रिक पार्टी हैं, तानाशाह नहीं। हम अपनी पार्टी को दबाव या जबरदस्ती के सिद्धांतों पर नहीं चलाते, पार्टी के विचार दिग्विजय सिंह के विचार से ऊपर हैं। पार्टी के विचार पार्टी के अन्दर होने वाली चर्चाओं से उद्भूत होते हैं।''

- **उन्होंने कहा, ''जब पार्टी में बातचीत होती है तो, सब तरह के विचार व मत व्यक्त किये जाते हैं, कुछ विचार गलत और चुभने वाले होते हैं, जैसा दिग्विजय सिंह के प्रकरण में हुआ, पर, उन्हें बात करने का पूरा हक व अवसर मिलता है। पार्टी उनके विचारों से कतई सहमति नहीं रखती, पर डरा-धमका कर उनको चुप नहीं कराया जाता।''**
- **राहुल गांधी ने यह भी स्पष्ट किया कि, पार्टी दिग्विजय सिंह के विचारों से नाइत्तफाकी रखती है, कांग्रेस पार्टी सेना की बहुत इज़्ज़त करती है तथा अपनी कार्यवाही के लिये सेना को प्रमाण देने की कोई जरूरत नहीं है।**
- **राहुल गांधी ने जोर देकर दोहराया कि, पार्टी में जब बातचीत होती है, कई अतिवादी व हास्यप्रद बातें भी कही जाती हैं, जैसा कि, दिग्विजय सिंह की टिप्पणी में साफ जाहिर हो रहा है। मुझे खेद है कि, पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के बारे में यह कहना पड़ा है।**

उन्होंने और व्याख्या करते हुये कहा कि दिग्विजय सिंह के विचार पार्टी के विचार नहीं है। ''हम इस बात को लेकर पूरी तरह से सुस्पष्ट हैं कि सशस्त्र सेनाएं किसी भी काम को असाधारण रूप से अच्छी तरह करती हैं ताकि उन्हें किसी भी कार्य के लिये सबूत देने की जरूरत नहीं होती।''

दिग्विजय सिंह ने भी इस विवाद को समाप्त करने की कोशिश करते हुये कहा, ''मेरे मन में अपने सुरक्षा बलों के लिये अपार सम्मान है।''

राहुल गांधी ने कहा, ''हमारी पार्टी की संस्कृति है कि हम विचार-विनिमय एवं बातचीत की छूट देते हैं तथा कभी-कभी जब बातचीत होती हैं तो अतिवादी विचारों वाले लोग भी अपने विचारों को व्यक्त करते हैं। इस प्रकार हम बातचीत का माहौल देते हैं। भाजपा और आर.एस.एस. में संवाद नहीं होता। वे बस निर्णय लेते हैं कि ऐसा होगा तथा इसके बाद कोई व्यक्ति उस बारे में कुछ भी नहीं कह सकता। यह सब नोटबंदी की तरह होता है। प्रधानमंत्री एक सुबह उठते हैं तथा कहते हैं कि हम नोटबंदी कर रहे हैं या फिर सब कुछ जी.एस.टी. की तरह होता है, जिसके फलस्वरुप देश की रीढ़ पूरी तरह तोड़ दी जाती है क्योंकि आप संवाद नहीं करते।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिजिजू ने भारी आपत्ति जताई सुप्रीम कोर्ट द्वारा जज विशेष की नियुक्ति पर सरकारी आपत्ति को सार्वजनिक करने पर

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच चल रही लड़ाई को आगे बढ़ाते हुए, केन्द्रीय विधि मंत्री किरेन रिजीजू ने आज इस बात पर कड़ा एतराज जताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने उन उम्मीदवारों पर सरकार द्वारा की गई आपत्तियों को सार्वजनिक कर दिया जिनकी जज के पद पर नियुक्ति के लिये अभिशंसा की गई थी।

पिछले सप्ताह, सर्वोच्च न्यायालय कोलीजियम, जिसके अध्यक्ष मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचूड़ हैं, ने सर्वोच्च न्यायालय की वैबसाइट पर तीन उम्मीदवार की जज के रूप में पदोन्नति पर सरकार द्वारा की गई आपत्तियों के साथ ही, उन आपत्तियों से संबंधित अपने जवाब भी प्रकाशित कर दिये थे।

बड़ी अजीबो गरीब बात है कि जहां एक तरफ मोदी सरकार भरसक कोशिश कर रही है कि उच्चतर अदालतों में जजों की नियुक्तियों के मामले में कार्यपालिका की ही चले तथा इसके पीछे सरकार की दलील है कि कोलीजियम व्यवस्था की पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी है। वहीं दूसरी तरफ, पारदर्शिता के खिड़की खोले जाने की सर्वोच्च न्यायालय की इस कार्यवाही पर नाराजगी भी व्यक्त कर रही है।

- **जजों का जवाब है, एक तरफ तो विधि मंत्री सुप्रीम कोर्ट की जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया पर, पारदर्शी न होने का आरोप लगाते हैं, दूसरी ओर जब जज पारदर्शी होने का प्रयास करते हैं, विधि मंत्री को सुप्रीम कोर्ट के पारदर्शिता अपनाने के प्रयास पर भारी आपत्ति है।**
- **सरकार द्वारा तीन जजों की नियुक्ति के खिलाफ रॉ व आई.बी. के हवाले से जतायी कई आपत्ति को सार्वजनिक करें या नहीं, इस पर सुप्रीम कोर्ट के जजों में चार दिन तक मंथन चला, सरकार की आपत्तियों को सार्वजनिक किया जाये या नहीं, पर फिर सार्वजनिक करने का निर्णय लिया गया।**
- **जजों के, इस रॉ व आई.बी. की राय को सार्वजनिक करने के कृत्य से सुरक्षा व गुप्तचर एजेंसियों में भारी हड़कम्प भी मचा। क्योंकि इन दोनों गुप्तचर एजेंसियों की रिपोर्ट सार्वजनिक हो जाने से यह परम्परा स्थापित होगी कि, गुप्तचर एजेंसियों की रिपोर्ट कभी भी सुविधानुसार सार्वजनिक तौर पर उजागर की जा सकती है।**
- **सरकार का तर्क है, इस कृत्य से गुप्तचर एजेंसियों का मनोबल टूटेगा और वे स्पष्ट रिपोर्ट देने से कतरायेंगी।**

सरकार के साथ इस तनातनी के बीच, सर्वोच्च न्यायालय की यह कदम बहुत साहसिक एवं अप्रत्याशित माना जायेगा कि उसने गुप्तचर एजेंसियों- द रिसर्च एंड ऐनेलेसिस विंग (आर.ए.डब्ल्यु.-रॉ) तथा इन्टेलीजैंस ब्यूरो (आई.बी.) द्वारा सरकार को दी गई जानकारियों तथा सरकार की आपत्तियों को सार्वजनिक करना शुरु कर दिया है, किन्तु इस स्थिति में, सरकार भी न्यायपालिका एवं जजों के बारे में टिप्पणी करने में बहुत सावधान एवं सतर्क नहीं रही है।

सरकार की प्रतिक्रिया उस स्थिति में कहीं बहुत ज्यादा विश्वसनीय होती, अगर वह अपने तौर-तरीकों और उद्देश्यों में पारदर्शी रही होती। यह बा मोदी सरकार की हठधर्मिता तथा न्यायपालिका को वश में रखने के अपने उद्देश्य की पूर्ति की निरन्तर कोशिश की पृष्ठभूमि में जयादा सटीक बैठती है जो जों की नियुक्ति में अपनी चलाना चाहती है। मोदी सरकार सत्ता में आने के पहले वर्ष में ही एक विधेयक ले आई थी तथा ऐसा कानून बनाना चाहती थी जिससे जजों की नियुक्ति में कार्यपालिका की निर्णायक भूमिका सुनिश्चित हो सके। यह विधेयक संसद ने अगस्त 2014 में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दुर्गापुरा के सीडलिंग स्कूल को हाई कोर्ट का नोटिस

जयपुर, 24 जनवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर की एक स्कूल की कक्षा 10 की छात्रा को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और उसे कक्षा में नहीं बैठाने पर प्रमुख शिक्षा सचिव, डीईओ और सिडलिंग ग्रुप के निदेशक संदीप बख्शी सहित प्रिंसिपल आशु वधावा से जवाब मांगा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश खुशी प्रधान की ओर से अपने पिता के जरिए दायर

- **कक्षा दस की एक छात्रा को मानसिक प्रताड़ना देने और कक्षा में नहीं बैठने देने पर हाई कोर्ट ने सीडलिंग ग्रुप डायरैक्टर, स्कूल प्रिंसिपल सहित शिक्षा सचिव को भी नोटिस भेजा है।**

याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से प्रो-बोनो अधिवक्ता माही यादव ने याचिका में बताया कि याचिकाकर्ता सीडलिंग स्कूल, दुर्गापुरा में कक्षा दस की छात्रा है। स्कूल प्रबंधन की ओर से गत शैक्षिणक सत्र से ही उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। सत्र 2022-23 की उसकी फीस करीब 89 हजार रुपए है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छात्र संगठन बी.बी.सी. की डॉक्युमैंटरी की पूरे केरल में कई जगह सार्वजनिक स्क्रीनिंग करेंगे

दूसरी ओर केन्द्रीय सरकार ने बी.बी.सी. की डॉक्युमैंटरी को दिखाने व प्रसारण पर कानूनी रोक लगायी है

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। दक्षिण भारत में, भाजपा विपक्ष के उस अभियान में फँसकर रह गई जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गुजरात दंगों को लेकर चलाया जा रहा है। बी.बी.सी. की डॉक्युमैंट्री के प्रसारण पर रोक लगा दी है। यह तो तय है कि टकराव का मंच तैयार हो गया है तथा केरल भाजपा उस घोषणा के विरुद्ध पूरी ताकत से खड़ी हो गई है, जो सी.पी.आई. की विद्यार्थी शाखा- ''स्टूडेन्ट्स फैडरेशन ऑफ इंडिया'' तथा सी.पी.एम. समर्थित ''डेमोक्रेटिक यूथ फैडरेशन ऑफ इंडिया'' से संबद्ध यूनियनों ने की है। घोषणा में कहा गया है कि वे विवादास्पद बी.बी.सी. डॉक्यूमैन्ट्री को पर्दे पर देखेंगे, भले ही केन्द्रीय सूचना-प्रसारण मंत्रालय ने उस पर रोक लगा दी हों।

डी.वाई.एफ.आई. तथा एस.एफ.आई. ने एक जैसे घोषणाएं की है कि वे पूरे केरल में इस बी.बी.सी. डॉक्युमैंट्री को सिनेमा हॉल में चलायेंगे।

- **भाजपा की केरल इकाई भी इस विवाद में कूदी। इकाई का कहना है, जब सुप्रीम कोर्ट पहले ही प्र.मंत्री मोदी पर डॉक्युमैंटरी में लगाये गये आरोपों को खारिज कर चुकी है, तो, उन आरोपों को पुनः चर्चा में लाना उचित नहीं है, इससे उत्तेजना फैलेगी और शांति भंग हो सकती है।**

यही बात के.पी.सी.सी. तथा इंडियन यूथ कांग्रेस के प्रतिनिधियों की ओर से भी आ रही है। इन्होंने भी कहा है कि वे केन्द्र सरकार के निर्देशों की अवज्ञा करेंगे तथा डॉक्युमैंट्री को सिनेमा हॉलों में चलायेंगे। डी.वाई.एफ.आई. की तिरुवन्तपुरम शाखा ने कहा है कि वे इस शहर के पूजाप्पुरा में चलायेगी।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यूथ कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष तथा विधायक शफी पराम्बिल ने भी कहा कि उनकी इकाई भी इस डॉक्युमैंट्री को चलायेगी, जिसे भाजपा और केन्द्र सरकार बहुत ज्यादा आपत्तिजनक तथा झूठी कहानी को बयान करने वाली बताया है। भाजपा नेता इस बात का हवाला दे रहे हैं कि सर्वोच्च न्यायालय प्रधानमंत्री मोदी को क्लीन चिट दे चुका है। उनका कहना है कि बी.बी.सी. डॉक्युमैंट्री की विषय वस्तु तथा कथ्य झूठा है तथा विपक्ष इन यूनियनों को शह दे रहा है क्योंकि ऐसा करना उनकी झूठी कहानियों के अनुकूल है। लेकिन, विपक्षी नेता, जैसे केरल यूथ कांग्रेस अध्यक्ष, इस बात को लेकर आश्वस्त है कि मोदी और संघ परिवार को तो ऐतिहासिक तथ्य सदैव शत्रुतापूर्ण लगे हैं। नरसंहार के दिन सत्ता को काम में लेकर ढ़के नहीं जा सकते।

घोषणाओं पर गंभीर आपत्ति जताते हुए केरल के वरिष्ठ भाजपा नेता तथा विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने कहा कि केरल सरकार को राज्य में इसकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली के मेयर का चुनाव फिर टला

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। मंगलवार को दूसरी बार दिल्ली मेयर का चुनाव, आप तथा भाजपा के बीच हंगामे के कारण स्थगित हो गया। गत वर्ष तीन नगरपालिकाओं के एकीकरण के बाद, दस वर्ष में पहली बार ''सिंगल मेयर'' का चुनाव होना था।

दो सौ नब्बे पार्षदों द्वारा शपथ ग्रहण

- **आम आदमी पार्टी और भाजपा के पार्षदों के बीच हुए झगड़े की वजह से नगर निगम के मेयर का चुनाव स्थगित करना पड़ा।**

के साथ दिन की शुरुआत हुई। पहले गवर्नर द्वारा मनोनीत पार्षदों ने शपथ ली बाद में अन्य सभी ने। लेकिन कड़ी सुरक्षा के बीच जब सबने शपथ ले ली तब नारेबाजी के साथ हंगामा शुरु हुआ। पीठासीन अधिकारी ने मेयर के चुनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हम चलते-चलते ही चल बसें'

कुछ इसी तरह दुनिया से अलविदा करना चाहते थे राजेन्द्र शेखर जिसका जिक्र उन्होंने अपनी एक किताब में भी किया था

-प्रकाश भण्डारी-

जयपुर, 24 जनवरी। राजस्थान पुलिस के महानिदेशक और केन्द्रीय जांच ब्यूरो के निदेशक रहे राजेन्द्र शेखर का मंगलवार को यहां सोनी अस्पताल में निधन हो गया। 88 वर्षीय राजेन्द्र शेखर जहां एक योग्य और निष्ठावान पुलिस अधिकारी थे, वहीं एक सफल लेखक भी थे और उन्होंने दो पुस्तकें अंग्रेजी और एक हिन्दी में लिखीं।

मूलतः भरतपुर के राज परिवार के राजगुरू से सम्बद्ध एक कुलीन ब्राह्मण परिवार में जन्मे राजेन्द्र शेखर की शिक्षा दीक्षा अजमेर के मेयो कॉलेज और दिल्ली के प्रतिष्ठित सेन्ट स्टीफन्स कॉलेज में हुई। उनके पिता रजवाड़ों की समाप्ति के बाद राजकीय सेवा में आ गए थे। उन्होंने सेन्ट स्टीफन से ही अर्थशास्त्र मे एम.ए. किया।

- **राजस्थान के पुलिस महानिदेशक और केन्द्र में सी.बी.आई. प्रमुख रहे राजेन्द्र शेखर अपनी नई सोच और निर्भीक कार्यशैली के लिए जाने जाते थे।**
- **अपने काम में किसी भी प्रकार का राजनैतिक दखल उन्हें नागवार था।**
- **राजेन्द्र शेखर के प्रयासों की बदौलत 1992 में राजस्थान पुलिस को सशस्त्र सेना की तरह अपना ध्वज मिला।**
- **1965 में भारत पाक युद्ध के दौरान भी सीमा पर उन्होंने अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया।**

राजेन्द्र शेखर वर्ष 1957 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) अधिकारी थे। दिल्ली में अध्ययन के दौरान ही उनकी मित्रता शीला से हुई और दोनों विवाह सूत्र में बंध गए।

राजस्थान के कई जिलों में पुलिस अधीक्षक रहे राजेन्द्र शेखर 1972 में जयपुर के केन्द्रीय जांच ब्यूरो के पुलिस अधीक्षक रहे और 1975 में सी.बी.आई. में पदोन्नत होकर उपमहानिरीक्षक बन कर दिल्ली चले गए। सन् 1965 के भारत-पाकिस्तान

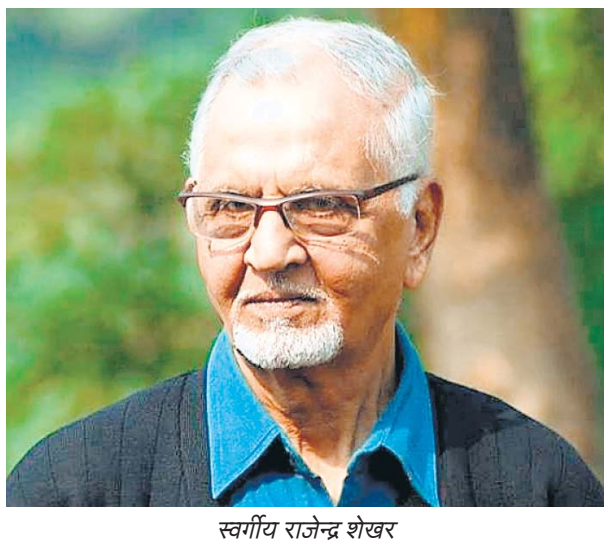

स्वर्गीय राजेन्द्र शेखर

युद्ध के दौरान उन्हें जैसलमेर और बाड़मेर में कार्य पर लगाया गया। उस समय सीमा पर उन्होंने युद्ध के दौरान अपनी कुशलता का परिचय दिया। यह वह समय था जबकि भारत-पाक के युद्ध के कारण बड़ी संख्या में पाकिस्तान के सिन्ध क्षेत्र के रहने वाले हिन्दू, जिसमें सोढ़ा राजपूत, भील, कोली, ब्राह्मण और वैश्य समाज के परिवार थे अत्याचारों के कारण पाकिस्तान की सीमा पार कर जैसलमेर और बाड़मेर में बस गए थे। ऐसे लोगों को सुरक्षा प्रदान करने में उन्होंने गहन भूमिका निभाई।

सी.बी.आई. में रहते हुए भ्रष्टाचार और हिंसक घटनाओं, जिसमें हत्या भी शामिल है, की उन्होंने गहन जांच की जिसकी बड़ी प्रशंसा हुई। सी.बी.आई. में दिल्ली में रहते उन्होंने 14 वर्ष के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पॉक्सो के लम्बित मुकदमों की मार्किंग होगी'

जयपुर, 24 जनवरी (का.सं.)। प्रदेश की पॉक्सो अदालतों में लंबित मुकदमों की समयावधि की जानकारी अब उनकी फाइलों में लगे फ्लैग से हो सकेगी। हाईकोर्ट प्रशासन ने मंगलवार को इस संबंध में गाइड लाइन जारी की

- **केस कितना पुराना है, इस आधार पर उसकी लाल, पीले या नारंगी रंग से फ्लैग मार्किंग की जाएगी और केस फाइल पर इसकी लिखित जानकारी दी जाएगी।**

है। नई गाइडलाइन के जरिए अब पेंडिंग पॉक्सो केस कितने पुराने हैं उसकी पहचान केस फाइल में लगे तीन रंग यानि येलो, ऑरेंज व रेड फ्लैग के जरिए होगी। पॉक्सो केस की पेंडिंग फाइल में इन तीन रंग के अलग-अलग फ्लैग लगे होने से ही उसकी पहचान हो सकेगी कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटपूतली में मास्टर प्लान के नाम पर रंजिश की राजनीति की जा रही है: कर्नल राज्यवर्धन

देर शाम आजाद चौक में टैण्ट लगाकर धरने पर बैठे व्यापारी

जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने तोड़-फोड़ की कार्रवाई का जायजा लिया।

कोटपूतली में सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने पत्रकारों को सम्बोधित किया।

- नगरपरिषद् दस्ते ने दिन भर ध्वस्थ संरचनओं का मलबा उठाने की कार्यवाही रखी जारी
- जयपुर ग्रामीण सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने तोड़फोड़ की कार्यवाही से प्रभावित सूर्यकान्त बिदाणी से मिल कर ली घटनाक्रम की जानकारी
- सांसद के साथ आजाद चौक पहुंचे प्रभावितों सहित सैंकड़ों लोगों ने किया कार्यवाही का विरोध

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे में नगर परिषद् द्वारा कोटपूतली के मास्टर प्लान 2011-31 को लागू करने और सड़क चौड़ी करने को लेकर पुरानी नगरपालिका से आजाद चौक तक कि जा रही संरचनायें तोड़ने की कार्यवाही जारी रही। इस दौरान नगरपरिषद् दस्ता दिन भर पोक्लेंड मशीन व जेसीबी की सहायता से ध्वस्थ संरचनाओं का मलबा उठाने में जुटा रहा वहीं बिजली विभाग भी नई विद्युत लाईन डालने के लिए पोल गाडता नजर आया।

दूसरी और जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने भी कोटपूतली पहुंचकर विगत रोज प्रशासन द्वारा आजाद चौक स्थित मणी बिदाणी की दुकानों को तोड़ने के मामले में प्रभावित व्यापारी सूर्यकान्त बिदाणी के घर पहुंचकर मामले की जानकारी जुटाई। इस दौरान कर्नल राठौड़ ने पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि कोटपूतली गृहराज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव का गृह क्षेत्र है बावजूद इसके भी यदि यहां लोगों के साथ इस तरह अन्याय हो रहा है तो गलत है। उन्होंने कहा की कल जो कोटपूतली में हुआ वह सरेआम लोकतंत्र की हत्या है। नगरपरिषद् प्रशासन द्वारा बिना लोगों की सुने ही कोर्ट खुलने से पहले इस तरह रोजी रोटी तहस-नहस करना गलत है।

उन्होंने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकतंत्र में स्वतन्त्र भाव से वोट करने का अधिकार है। लेकिन सरकार बनने के बाद हर एक नागरिक की होती है। उन्होंने कहा कि मुझे दिखा दीजिए कि राजस्थान में यह कैसा कानून है जो कांग्रेस समर्थकों के लिए अलग व भाजपा समर्थकों के लिए अलग कानून है। उन्होंने कहा कि इस तरह की भद्दी राजनीति कांग्रेस कर रही है लेकिन भाजपा 16 राज्यों में शासन होते हुए भी सभी को साथ लेकर चलने का काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि यहां महज रंजीश की राजनीति की जा रही है जिसके चलते अधिकारी तानाशाह होकर शनिवार-रविवार को तोड़फोड़ की कार्यवाही को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोटपूतली में ना केवल भारतीय जनता पार्टी के समर्थकों की आवाज बंद करने की कोशिश की जा रही है बल्कि सीधे तौर पर धमकी देने का तरीका है यह आतंक का ईशारा है। व्यापारियों को खुले आम उनकी प्रोपर्टी तोड़ने व उनके व्यापार को खत्म करने की साजिश है आने वाले समय में जनता करारा जवाब देगी। राठौड़ ने कहा कि हम विकास के साथ है लेकिन मार्ग में आ रही संरचनाओं को हटाने का भी कानूनन तरीका है।

उन्होंने कहा कि ऐसी क्या जल्दी आ गई है कि इस तरह जल्दबाजी कर लोगों को बेघर किया जा रहा है। उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के शासन में ना केवल महिलाओं पर अपितु युवांओं के भविष्य व किसान पर खुलेआम अत्याचार हो रहा है जिसके चलते आज राजस्थान महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों के मामले में देश में अग्रणी स्थान पर है। उन्होंने कहा कि सरकार के ऐसे मामलों की सीबीआई जांच होनी चाहिए। कर्नल राठौड़ ने बड़ी संख्या में समर्थकों व प्रभावितों के साथ आजाद चौक पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया वहीं इस दौरान मणी बिदाणी की जगह पर विद्युत पोल गाड रहे विद्युत कर्मियों से भी प्रभावितों की कहासुनी हुई इसके बाद लोगों ने कार्यवाही का विरोध जताया।

कर्नल राठौड़ ने दुरभाष पर उच्च अधिकारियों से बातचीत की इसके बाद भाजपा नेता मुकेश गोयल व व्यापार संघ अध्यक्ष मथैली शरण बंसल, पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना के नेतृत्व में मणी बिदाणी परिवार सहित अपनी जमीन पर टैण्ट लगा कर धरने पर बैठ गये। देर रात तक धरना जारी रहा। वहीं धरना स्थल पर भारी मात्रा में पुलिस बल भी तैनात रहा।

लेकसिटी में छाया कोहरा, जयसमंद झील में स्कूल जा रहे बच्चों की नौका भटकी

दोपहर तक छाया रहा कोहरा, जीरो विजिबिलिटी के चलते यातायात हुआ प्रभावित

उदयपुर, (का.स.)। झीलों की नगरी मंगलवार सुबह 11 बजे तक कोहरे की चादर में लिपटी रही। अल सुबह से छाये कोहरे के चलते कुछ फिट दूर तक का एरिया ही दिखाई दे रहा था। कई स्थानों पर विजिबिलिटी जीरो थी कोहरे के चलते कुछ स्थानों पर दुर्घटनाये भी हो गई। दोपहर 12 बजे तक शहर में धुप आने पर स्थिति सामान्य हो पाई।

मौसम विशेषज्ञों की माने तो उदयपुर संभाग में पश्चिमी विक्षोभ का असर कम से कम दो दिनों तक रहने वाला है, बादलों की वजह से जिले में बूंदाबांदी के साथ मावठे की संभावना भी जताई जा रही है, कोहरे के कारण कई फ्लाइट्स भी रद्द कर दी गई हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अरब सागर से विक्षोभ शुरू होने की वजह से संभाग में हल्की बूंदाबांदी के साथ मावठ के आसार हैं।

मंगलवार सवेरे से ही उदयपुर संभाग के कई हिस्सों में कोहरा फैला दिखा जिसके कारण रेल व हवाई एवं सड़क यातायात प्रभावित हुआ है।वहीं कोहरा छा जाने की वजह से उदयपुर में कई फ्लाइट्स को रद्द करना पड़ा और यहां से यात्रियों को बस में बिठाकर अहमदाबाद एयरपोर्ट तक छोड़ा गया। महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर घने कोहरे के कारण अधिकतर फ्लाइटें डायवर्ट की गईं। कई फ्लाइटें लैंड ही नहीं हो पाईं। एयरपोर्ट पर सुबह विजिबिलिटी कम होने के कारण जयपुर, मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद की ओर से आने वाली तमाम उड़ानों को अहमदाबाद डायवर्ट किया गया अनेक स्थानों पर जीरो विज़िब्लीटी के चलते सभी वाहनों को दिन में भी हेडलाईट का प्रयोग करना पड़ा।

उदयपुर संभाग में छाये गहने कोहरे के चलते कुछ स्थानों पर दुर्घटनाये भी हुई। इन दुर्घटनाओं में कुराबड थाना क्षेत्र में एक बस पलटने से 18 लोग घायल हो गए। कुराबड थाना क्षेत्र के पुठापाना के पास झामरी नदी के समीप एक घाटे में यह बस 20 फिट गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के बाद ग्रामीणों की मदद से बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। इसके बाद एबुलेंस की मदद सभी को जगत हॉस्पिटल पहुंचाया गया। घायलों में ड्राइवर और कंटेक्टर भी शामिल हैं यह निजी बस उदयपुर से सेमाल की ओर जा रही थी। कोहरे के चलते दिखाई नहीं देने से तीन पलटी खाते हुए बस खाई में जा गिरी। सूचना पर कुराबड़ थानाधिकारी उमेश कुमार सनाढ्य भी मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे में गंभीर घायल 6 यात्रियों को उदयपुर रेफ़र किया गया।

इसके अलावा जयसमन्द झील में भी बाबा मगरा के स्कूली बच्चे नाव में सवार हो कर स्कूल जा रहे थे। तभी घने कोहरे की वजह नाव रास्ता भटक गयी करीब दो घण्टे तक भटकने के बाद जब कोहरा छटा तो नाव संचालक ने बच्चो को स्कूल पहुँचाया। इसके अलवा उदयपुर से निम्बाहेडा जा रही एक निजी बस कोहरे के चलते ट्रेलर से जा टकराई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी गनीमत यह रही इस हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई ।

मौसम वैज्ञानिको के अनुसार अरब सागर से शुरू हुए इस विक्षोभ की वजह से आने वाले 2 दिनों तक घना कोहरा छाया रहेगा, साथ ही पूरे संभाग में हल्की से तेज बारिश भी हो सकती है विक्षोभ की वजह से आज कहीं-.कहीं बूंदाबांदी भी हुई है। ठंड बढ़ने से पारा भी गिरा है लोग ठिठुरन महसूस कर रहे हैं। दो दिनों बाद मौसम खुलने के साथ ही मौसम में परिवर्तन भी होगा।

निरीक्षण में चार कार्मिक नदारद मिले

कामां, (निसं)। कामां मेवात क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर लगातार चिकित्सकों एवं चिकित्सक कर्मियों के नदारद रहने के मामले में मंत्री जाहिदा खान के निर्देश पर ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. केडी शर्मा ने नोनेरा एवं लेबडा अस्पताल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं अनुपस्थित पाए कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

ब्लॉक सीएमएचओ डॉ. केडी शर्मा ने बताया कि कामां ब्लॉक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सक सहित चिकित्सक कर्मियों के समय पर नहीं पहुंचने और नदारद रहने की शिकायत ग्रामीणों द्वारा मंत्री जाहिदा खान को की गई थी। मंत्री जाहिदा खान ने क्षेत्र के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण कर लापरवाह एवं समय पर नहीं पहुंचने वाले कार्मिकों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे। मंगलवार को प्रात: प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेवड़ा का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान दो कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नौनेरा का निरीक्षण किया गया। वहां भी दो कार्मिक अनुपस्थित पाए गए, जिसके बाद अनुपस्थित कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर एक दिवस का वेतन रोक दिया गया है। नोटिस का जवाब संतोष पर नहीं होने पर अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सरहद पर ''ऑपरेशन सर्द हवा'' शुरु, सुरक्षा एजेंसियां चौकस

बीकानेर, (निसं)। भारत-पाकिस्तान बार्डर पर इन दिनों सीमा सुरक्षा बल का ऑपरेशन सर्द हवा चल रहा है। अलर्ट के चलते सरहद से लेकर शहर तक सभी सुरक्षा एजेंसियां चौकस हो गई है। शहर में पुलिस ने भी चौकसी को बढ़ा दिया है। पुलिस भी शहर की होटल पर निगरानी बनाए हुए है। पुलिस की टीम हर होटल,धर्मशाला और गेस्ट हाउस की चेकिंग कर रही है। हर आने -जाने वाले पर कड़ी नजर रखी जा रही है। होटल वालों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे बिना आईडी के किसी को भी अपनी होटल में न रुकवाए। दरअसल सरहद पर 28 जनवरी तक हाई अलर्ट करके रखा है ताकि सर्दियों में कोहरे और धुंध की आड़ में कोई घुसपैठ, तस्करी या नापाक हरकत न हो जाए।

भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर शनिवार 21 जनवरी से सीमा सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर है। सरहद पर सीमा सुरक्षा बल का सबसे बड़ा ऑपरेशन शुरू हुआ है जो 28 जनवरी तक चलेगा। इस ऑपरेशन को सर्द हवा का नाम दिया गया है। भारत-पाकिस्तान की सीमा पर चौकसी को बढ़ाया गया है ताकि सरहद पार से कोई भी परिंदा पर ना मार सके। ऑपरेशन के दौरान सीमा सुरक्षा बल के सभी अधिकारी व जवान तारबंदी पर मौजूद रहेंगे और सरहद की रखवाली चौकस निगाहों से करेंगे। सरहद पर हाई अलर्ट के चलते जैसलमेर शहर में भी पुलिस व सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर है।

जैसलमेर एसपी भंवर सिंह नाथावत ने बताया कि पुलिस की टीम लगातार होटल आदि की चेकिंग करके संदिग्धों पर भी नजर रख रही है। पुलिस लगातार हर होटल में जाकर उसका रजिस्टर चेक करके रुकने वालों की जानकारी जुटा रही है। सबको निर्देश दिए गए हैं कि होटल, गेस्ट हाउस व धर्मशाला आदि में बिना आईडी किसी को भी नहीं रुकाए। इसके साथ ही पुलिस संदिग्धों पर भी नजर बनाए हुए है। सरहद से शहर तक सभी सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर है।

कार ने पूर्व पार्षद को टक्कर मारी

मालपुरा, (निसं)। जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाईवे के मालपुरा केकड़ी सड़क मार्ग पर रामद्वारे के पास लोहामंडी में सड़क किनारे से गुजर रहे पूर्व पार्षद माबूद अहमद को केकड़ी की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया।

कार की टक्कर से पूर्व पार्षद गंभीर रूप से घायल हो गया। धमाके की आवाज सुन दौड़े व्यापारियों ने घायल माबूद को मालपुरा अस्पताल में भर्ती करवाया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद हालत चिन्ताजनक होने पर जयपुर रैफर किया गया। मौके पर जमा भीड़ ने कार चालक को दबोच सूचना पर पहुंची थाना पुलिस को सुपुर्द किया। पार्षद के दुर्घटना में घायल होने की सूचना पर बड़ी संख्या में भीड़ अस्पताल व घटनास्थल पर जमा हो गई।

नशीली गोलियों के साथ एक गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले में हेरोइन के साथ ही नशीली दवा का बड़ा नेटवर्क संचालित हो रहा है। टाउन के सिकलीगर मोहल्ला में एक किराए के मकान से 9 हजार नशीली गोलियों सहित 1 युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक को नशीली दवा घर पर रखने की एवज में 5 हजार रुपए खर्चा मिलता था। उसके घर पर नशीली दवा का स्टॉक करने वाला मुख्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

सीआई दिनेश सारण ने बताया कि ऑपरेशन फ्लश आउट के तहत सूचना मिली कि वार्ड 35 सिकलीगर मोहल्ला में एक व्यक्ति घर पर नशीली दवा का स्टॉक कर बेच रहा है। इस पर पुलिस टीम ने महेंद्र सिकलीगर के किराए के मकान में रहने वाले सुनील कुमार पुत्र भानीराम कुम्हार के घर दबिश देकर तलाशी ली तो बेड में छिपाए 18 डिब्बों में ट्रामाडॉल की 9 हजार टेबलेट बरामद हुई। प्रारंभिक पूछताछ में सुनीलकुमार ने बताया कि बरामद नशीली दवा बबलू सिकलीगर की है, जो नशीली दवाएं बेचता है। बबलू ने ही उसे कहा था कि वह पुलिस की नजर में है और नशीली दवा पकड़ी नहीं जाए इसलिए वह अपने घर पर दवा रख लेगा तो वह उसे हर महीने 5 हजार रुपए देगा। सुनील ने बताया कि वह पहले ड्राइवरी करता था। इस बीच वह मकान में किराए पर रहने वाली सीमा देवी के संपर्क में आया, जो उसे अपना बेटा समझती थी। वह उसके पास ही रहने लग गया। उसकी मुंहबोली मां की पिछले दिनों मौत हो गई। बबलू उसके पास दवा स्टॉक करता और बीच-बीच में आकर ले जाता था।

जिले में नशीली दवाएं दिल्ली, जयपुर, सीकर और जोधपुर के रास्ते आ रही हैं। नशे के सौदागर इन शहरों से अवैध रूप से नशीली दवा का कारोबार कर रहे हैं, जो पार्सल भिजवाने के साथ बसों से भी सप्लाई दे रहे हैं। पिछले 3 सालों में पुलिस ने भारी मात्रा में नशीली गोलियां बरामद की है। साल 2022 में नशे के खिलाफ एनडीपीएस के 311 मुकदमे दर्ज कर 720 लोगों को गिरफ्तार कर 128 वाहन जब्त किए गए। इस दौरान पुलिस ने 3 लाख 45 हजार 436 नशीली गोलियां बरामद की।

कार में युवक का शव एवं नगदी मिलने पर तीन दस्तयाब

- बिना नंबर की स्कॉर्पियो कार से पुलिस ने 18.43 लाख रुपये बरामद किये
- थाना पुलिस के अनुसार युवक की मौत पहले हो चुकी थी

रामगढ़ पचवारा, (निसं)। थाना पुलिस द्वारा गश्त के दौरान एक संदिग्ध वाहन की तलाशी लेने पर उस वाहन के अंदर एक युवक की डेड बॉडी मिली एवं भारी मात्रा में लाखों की नगद राशि मिलने पर तीन युवकों को दस्तयाब किया है। रामगढ़ पचवारा थाना पुलिस ने बताया कि थाना पुलिस खुद के वाहन से सोमवार को सुबह जब गश्त कर रही थी। उस दौरान एक बिना नंबर की स्कॉर्पियो कार संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस गई तो कार चालक पुलिस को देखकर स्कॉर्पियो कार को बिडोली की तरफ तेज गति से भगा कर ले गए जहां पीछा करने के दौरान कार चालक रालावास की तरफ भगा कर ले गया, जहां पर रास्ते में कार का टायर फट गया। वहीं टायर फटने के बाद चालक द्वारा स्कॉर्पियो कार को कच्चे रास्ते में उतार दिया, जहां कार पकड़ने के बाद पुलिस द्वारा घेराबंदी कर कार को काबू किया गया।

इसके बाद तलाशी ली गई तो उस कार में तीन युवक सवार थे एवं तलाशी के दौरान कार की पीछे डिक्की में एक युवक की लाश पड़ी हुई मिली एवं कार में युवकों के कब्जे से 18 लाख 43 हजार रुपए की नगदी बरामद की गई। प्रथम दृष्टया पूरा मामला युवक की हत्या से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के उच्चाधिकारियों को सूचना दी गई एवं युवकों को व लाखों की नकदी को जप्त कर थाने लाया गया एवं मृतक युवक के शव को रामगढ़ पचवारा उप जिला अस्पताल की मोर्चरी मे रखवाया गया।

इस मामले को लेकर थाना प्रभारी अजय सिंह ने बताया कि युवक की मौत पहले ही हो चुकी थी। वहीं यह मामला थाना नरेना जयपुर जिला ग्रामीण से जुड़ा होने के कारण संबंधित थाना पुलिस को सूचना दी गई। नरेना थाना पुलिस को दस्तयाब की तीनों युवक एवं मृतक युवक के साथ बरामद की गई नकदी भी सुपुर्द की गई। वहीं अग्रिम अनुसंधान के बाद स्पष्ट हो पाएगा कि पूरा मामला किस तरह का एवं किस से जुड़ा हुआ था साथ ही युवक की मौत के कारण क्या रहे हैं।

चार महिलाएं गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (नि.सं.)। जिला पुलिस ने शहर के एक मॉल में ऐन्जल स्पा सेन्टर पर मसाज की आड़ में वैश्यावृत्ति करते हुए चार महिलाओं को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना ने बताया कि पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीर सिंह राठौड़ को गोपनिय सूचना मिली कि ऐन्जल स्पा सेन्टर में मसाज की आड़ में वैश्यावृत्ति की जा रही है। जिस पर राठौड़ के नेतृत्व में पुलिस उप निरीक्षक सुरेश कुमार, गणपतलाल एवं खुशबू तीनों प्रोबेश्नर उपनिरीक्षक की टीम गठित की गयी। सूचना की तस्दीक के लिये उपनिरीक्षक गणपतलाल को ढ़ाई हजार रुपये देकर बोगस ग्राहक बनाकर ऐन्जल स्पा सेन्टर भेजा गया।

तस्दीक होने पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए स्पा सेन्टर से पश्चिमी दिल्ली रघुवीर नगर की रहने वाली अंजु पुत्री राम शर्मा, दक्षिण दिल्ली की न्यू फ्रेन्ड्स कॉलोनी की रहने वाली प्रतिमा पत्नी विजय खत्री, जयपुर के गलता गेट के पास रहने वाली स्त्रेहलता पत्नी सुरेश कुमार एवं स्पा मैनेजर दिल्ली के टेगोर गार्डन के पास रहने वाली प्रकृति पुत्री धर्माराम को वैश्यावृत्ति करते हुए गिरफ्तार किया है। स्पा सेन्टर के मालिक बलवंत सिंह को नामजद किया गया है जिसकी तलाश जारी है। प्रकरण थाना राजतालाब पर पंजीबद्ध किया गया है।

हाड़ौती को हरित, श्वेत और नील क्रांति का अग्रणी केंद्र बनाएंगे: ओम बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोटा में दो दिवसीय कृषि महोत्सव का शुभारंभ किया

कोटा, (निसं)।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर कोटा में मंगलवार को कृषि महोत्सव के रूप में हाडौती भर के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त और समृद्ध बनाने की बडड़े शुरूआत हुई। इस कृषि महोत्सव का शुभारंभ करते हुए स्पीकर बिरला ने कहा कि हम भारत में हाडौती को हरित, श्वेत और नील क्रांति का अग्रणी केंद्र बनाएंगे। हम चाहते हैं कि हाड़ौती का किसान फसल और दुग्ध का उत्पादन करे, मछली पालन करे, फिर प्रसंस्करण और वैल्यू एडीशन के माध्यम अच्छी आय प्राप्त करे। इसके लिए हम किसानों के साथ खड़े हैं। हम किसानों तक गुणवत्तापूर्ण बीज पहुंचाएंगे, नई तकनीक पहुंचाएंगे, हर वह जानकारी पहुंचाएंगे जो उन्हें कम भूमि और कम लागत पर अधिक उत्पादन और अधिक आय प्राप्त करने के लिए समर्थ बनाए। यह हमारा सपना है जो आज नहीं तो कल जरूर पूरा होगा।

कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि हाडौती में इतने बडे आयोजन का श्रेय लोक सभा अध्यक्ष बिरला को जाता है। वे सदैव किसानों की चिंता करते हैं। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप्स के माध्यम से हमारे युवा कृषि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान खोज रहे हैं। उनके इन नवाचारों से किसानों की आय बढ़े गी, इससे उनके घर में भी सम्पन्नता आएगी।

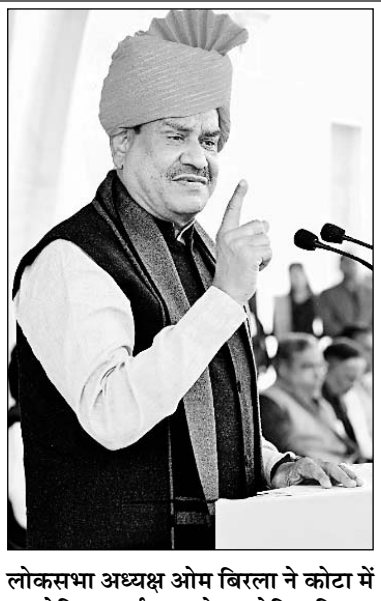

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोटा में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

इस प्रदर्शनी में 150 स्टाल किसानों को कृषि सम्बन्धी अद्यतन जानकारी प्रदान करने के लिए लगाये गए हैं । कृषि के क्षेत्र में स्टार्टअप की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए इस प्रदर्शनी में 75 स्टॉल स्टार्टअप के लगाये गए हैं जो प्रदर्शनी की मुख्य विशेषताओं में से एक है। इस कृषि महोत्सव में आयोजित प्रदर्शनी के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी स्टॉलों के माध्यम से प्रदान की जा रही है। साथ ही निजी क्षेत्र की कृषि के विभिन्न आदानों की आपूर्ति से सम्बंधित कंपनियों/संस्थाओं भी अपने उत्पादों को स्टॉलों के प्रदर्शित किया है।

- कृषि महोत्सव के रूप में हाड़ौती के किसानों को सशक्त और समृद्ध बनाने की शुरूआत हुई
- हाड़ौती में इतने बड़े आयोजन का श्रेय लोक सभा अध्यक्ष बिरला को जाता है : चौधरी

राजस्थान के कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा कि किसान कृषि के क्षेत्र में हो रहे नवाचार एवं स्टार्टअप को अपनाएंगे तो निश्चित रूप से कम लागत में अधिक उपज के साथ आधुनिक खेती का सपना साकार करेंगे। सहकारिता मंत्री उदय लाल आंजना ने कहा कि किसान की आमदनी में वृद्धि होगी तो निश्चित रूप से देश भी उन्नित करेगा।

नवाचारों को देखने का कौतूहल:- कृषि महोत्सव में 75 से अधिक स्टार्टअप्स ने कृषि के क्षेत्र में अपने नवाचारों और नई तकनीकों को प्रस्तुत किया। इन्हें देखने और समझने के लिए स्टार्टअप्स के काउंटर्स पर दिन भी किसानों की भीड़ लगी रही। कई नई तकनीकें किसानों के लिए बिल्कुल नई थी, जिनको लेकर उनमें खासा कौतूहल दिखाई दिया। इस आयोजन के लिए लोक सभा अध्यक्ष बिरला का आभार जताते हुए किसानों ने कहा कि उनके प्रयास हाडौती के किसानों के जीवन में को एक नई दिशा देंगे। इस कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष के ओएसडी राजीव दत्ता भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त

राजकुमार का सम्मान

सीकर, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग कमेटी ने राजकुमार किरोडीवाल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी मुकेश सोनी ने बताया कि प्रदेश प्रेसिडेंट डॉ. इंद्रजीत टाक की अभिशंषा पर अंतरराष्ट्रीय कमेटी द्वारा सम्मानित राजकुमार किरोडीवाल प्रिंस विगत 15 वर्षों से सामाजिक सेवा कार्यों से आम गरीब लाचार बीमार, अनाथ, विधवा, विकलांग गोवंश एवं ऐसे ही जरूरतमंद लोगों की सेवार्थ अपने निस्वार्थ भाव से सहायता करते हैं। राजकुमार ने अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के अंतर्गत भी जिला अध्यक्ष के पद पर रहते हुए उत्कृष्ट सेवाएं दी गई जिनके उपलक्ष में इन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है।

डॉ. मनीष चोमाल का सम्मान

बिसाऊ, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम महनसर डॉ मनीष चोमाल को विप्र एकता "संस्था तथा " श्री गौड विप्र समाज समिति" सीकर द्वारा सम्मानित किया गया है। झुंझुनूं जिले के महनसर गांव के डॉक्टर मनीष को अपने चिकित्सा क्षेत्र मे किए अद्वितीय कार्य के लिये "मेडिकल काउन्सिल आफ इंडिया " द्वारा भी सन्मानित किया। डॉक्टर मनीष पूर्व मे नोएडा के फोर्टिस हास्पिटल तथा जयपुर के महात्मा गांधी अस्पताल, अपेक्स हॉस्पिटल तथा केंसर केयर हास्पिटल में भी सेवाए दे चुके है। वर्तमान में डॉ. मनीष चोमाल जयपुर के प्रसिद्ध हास्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर भी है। मनीष के परदादा स्व.श्री महालीराम चोमाल ग्राम पंचायत महनसर के प्रारम्भिक दो कार्य काल तक निर्विरोध सरपंच रहे थे।

राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया

चूरू, (कासं)। एलएन मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम के कौशल विकास केंद्र पर राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। यहां कौशल विकास के समस्त स्टाफ व बालिकाओं ने भाग लिया। मुख्य वक्ता डॉ उषा कस्वां ने बालिकाओं के स्वास्थ्य, भ्रूण हत्या, सुकन्या समृद्धि, राजश्री योजना व राजस्थान सरकार की अन्य योजनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बच्चियों ने बड़े उत्साह के साथ अंठोजी में भाषण देकर अपनी प्रस्तुति दर्ज की। ट्रस्ट द्वारा बालिकाओं को मिठाई खिलाकर व बालिकाओं की बीपी, शुगर, इनोमिया जांच करके दवा वितरित की गई। मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर तमन्ना शर्मा ने कहा कि समझने में नहीं आसान है बेटियां कुदरत का कोई वरदान है बेटियां। डॉ. रामनिवास ढूकिया, डॉ. सागर, कैलाश सैनी, सिकंदर, नरेंद्र बुडानिया, रवि गौड़ आदि मौजूद रहे।

मोतियाबिंद की सफल सर्जरी

चूरू, (कासं)। राजकीय नेत्र चिकित्सालय में डॉ. संदीप चौधरी द्वारा पहली बार बिना टीके व टांके के मोतियाबिंद की सफल सर्जरी (टॉपिकल फेको) की गई। सर्जरी तारानगर के महेंद्र की गई। इस सर्जरी के राजकीय अस्पताल में पूर्णतया नि:शुल्क उपलब्ध होने से मरीजों को निजी अस्पताल या बड़े शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। डॉ संदीप चौधरी ने पीजीआई चंडीगढ़ से एमएस की डिग्री प्राप्त की है तथा वे दिल्ली एम्स व जोधपुर एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में काम कर चुके हैं।

सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग

सुजानगढ, (निसं)। पार्षद हितेश जाखड ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा से जयपुर स्थित आवास पर मुलाकात कर सुजानगढ को जिला बनाने की मांग की है। डोटासरा को जाखड ने ज्ञापन सौंपकर बताया कि सुजानगढ रियासतकाल में जिला था। उन्होनें बताया कि सुजानगढ में पिछले 15 वर्षो से नगरपरिषद है। यंहा पर एडीएम, एएसपी, जिला परिवहन कार्यालय, जिला उद्योग केन्द्र सहित तमाम सरकारी दफ्तर है। सीकर, बीकानेर, चूरू जिला मुख्यालय से सुजानगढ की दूरी भी 100 किलोमीटर है। जिसको देखते हुए सुजानगढ में बीदासर, लाडनूं, रतनगढ तहसील व कात्तर, निम्बी जोधा, राजलेदसर, सालासर उप तहसीलों को जोडा कर सरकार के अन्तिम बजट में जिले की घोषणा करवाने की मांग की है।

डेढ़ लाख कीमत का 980 ग्राम अवैध अफीम जब्त, चार गिरफ्तार

सरदारशहर, (निसं)। महानिरीक्षक बीकानेर रेंज बीकानेर द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन फलस आउट के तहत मेगा हाईवे पर एक लग्जरी कार में करीब 1.50 लाख रूपये कीमत की 980 ग्राम अफीम सहित चार जनों को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी गौरव खिडिया ने बताया कि पुलिस अधीक्षक चूरू दिंगत आनंद के निर्देशानुसार एएसपी नरेंद्र कुमार शर्मा के सुपरविजन में सोमवार की रात्रि को मेगा हाईवे रोड पर थाना के सामने नाकाबंदी कर थानाधिकारी गौरव खिडिया, प्रताप सिंह हेड कांस्टेबल, दौलतराम हेड कांस्टेबल, कुलदीप सिंह कांस्टेबल, मनीष कुमार कांस्टेबल, राजेंद्र कुमार कांस्टेबल, अनिल कुमार कांस्टेबल, राजेंद्र प्रसाद कांस्टेबल, भादरराम कांस्टेबल, जयसिंह कांस्टेबल, पुलिस थाना भानीपुरा टीम साइबर एक्सपर्ट भागीरथ हेडकानि सहित नाकाबंदी की गयी रात्रि को एक लग्जरी कार रावतसर की तरफ से आई जिससे रोकने का संकेत किया लेकिन चालक ने कार को भगाने का प्रयास किया। जिसपर संदेह हुआ और कार की तलाशी ली गयी तो सीट के नीचे एक पलास्टिक की थैली पायी गयी जिससे खोलकर देखा तो उसमें अफीम पायी गयी। कार में बैठे चारों व्यक्ति और कार को थाने लाया गया। थैली में रखी अफीम का तोल करने पर 980 ग्राम अफीम हुई जिसका बाजार मूल्य लगभग 1.50लाख रुपये आंका गया। जिस पर अवैध मादक पदार्थ रखने के आरोप में मय वरना कार सहित आरोपी सोनू, सुनील कुमार, रविंद्रसिंह व विजय को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि अफीम रावतसर लेकर आये हैं आगे सरदारशहर जा रहे थे। पुलिस ने चारो आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इसमें महत्वपूर्ण भूमिका भागीरथ हेडकानि साइबर शाखा चूरू, अनिल कुमार काली सूचना अधिकारी पुलिस थाना भानीपुरा की रही।

पुलिस ने अफीम के साथ आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- पूछताछ में आरोपियों ने अफीम रावतसर से लेकर सरदारशहर ले जाना बताया

वार्षिकोत्सव एवं भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन

सादुलपुर, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ढाणी मौजी में वार्षिकोत्सव एवं भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर भरत सिंह राहड सेवानिवृत प्रधानाचार्य, अध्यक्ष सोमवीर जांगीड पीईईओ ढाणी मौजी, विशिष्ट अतिथि पृथ्वी सिंह गोस्वामी सरपंच प्रतिनिधि,भानीराम मेघवाल पूर्व सरपंच, एसडीएमसी सदस्य जसवंत ओला, सीताराम जांगीड, प्रतापसिंह पूनिया आदि थे। वहीं समारोह के मुख्य अतिथि भरतसिंह राहड ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित अभिभावको से कहा कि सफल जीवन के लिए हर सदस्य को शिक्षित होना जरूरी है तथा बच्चे की पहली शिक्षक माता होती है। अत: हर महिला को जागरूक होना चाहिए। राहड ने अपने मित्र राजेन्द्र शर्मा उर्फ राजू शर्मा ट्रान्सपोर्टर न्यांगल बडी से विद्यालय में तीस हजार रूपये की लागत से माईक सैट दिलवाने की घोषणा की। जिनको लेकर उपस्थित सभी ग्रामवासियों एवं विद्यालय परिवार ने राहड को धन्यवाद ज्ञापित किया। अंत में संस्था प्रधान रवि कुमार ने सभी को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम में शामील होने के लिए आभार व्यक्त किया।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ढाणी मौजी में वार्षिकोत्सव एवं भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

भाजपा जिला कार्यकारिणी के सदस्यों की घोषणा

चूरू, (कासं)। राजस्थान विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, सांसद राहुल कस्वां व जिला संगठन प्रभारी रामगोपाल सुथार से चर्चा करके भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष धर्मवीर पुजारी ने अपनी जिला कार्यकारिणी के सदस्य, स्थाई आमंत्रित सदस्य और विशेष आमंत्रित सदस्यों की घोषणा की है। इसमें सांसद, विधायक, पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष, जिला प्रमुख मोर्चों के जिलाध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, प्रधान एवं चैयरमैन स्थाई आमंत्रित रहेंगे। पूर्व जिला प्रमुख, प्रकोष्ठों के जिला संयोजक, जिला परिषद् सदस्य, नेता प्रतिपक्ष नगर निकाय, प्रकोष्ठों के संभाग प्रभारी व प्रकोष्ठों के प्रदेश पदाधिकारी भी विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची में रहेंगे। जिला कार्यकारिणी सदस्य पदमसिंह राठौड़, विक्रम कोटवाद, मुरलीधर शर्मा, विनोद सैनी, सुरेश प्रजापत, नारायण बेनीवाल, प्रशांत टावरी, विजय शर्मा सिरसला, गोविन्द शर्मा, अशोक यादव, अनवर थीम, जाकिर खान, रामस्वरूप मेघवाल, मोहन गढ़वाल, जगदीश नायक, राजकुमार धरेन्द्रा, सत्यनारायण सैनी, विनोद प्रजापत, चन्द्रकला ढाका, निशा राठौड़, संजना माहिच, मांगीलाल पुजारी, महावीर सिंह पार्वतीसर, हुकमीचन्द गुसाईवाल, सुरेश पुजारी, महेश जोशी, श्यामनारायण राठी, भंवरसिंह राठौड़, चूनाराम दुसार, दीपाराम सारण, भगवान सिंह चारण, महावीर प्रसाद शर्मा, मदन सिंह राठौड़, पवन शर्मा, सरोज अठावाल, सुषमा रांकावत, सुमन सांभरिया, यशोदा माटोलिया, शिवभगवान कम्मा, भागीरथ सिंह राठौड़, हरिप्रसाद दायमा, सांवरमल खटीक आदि को बनाया है।

नवनिर्वाचित बार संघ का सम्मान किया

सादुलपुर, (निसं)। नवनिर्वाचित अभिभाषक संघ राजगढ की कार्यकारिणी का स्वागत समारोह अंबेडकर विकास संस्थान राजगढ में किया गया। अभिभाषक संघ राजगढ की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी अध्यक्ष चरणसिंह पूनियां एंव कोषाध्यक्ष रामसिंह बेरवाल का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महावीर सरपंच बैरासर, मुख्य अतिथि सुभाष कॉलेज प्रोफेसर राजकीय महाविद्यालय राजगढ, अतिविशिष्ट अतिथि शिक्षाविद जयचंद दायमा आदि थे। वहीं एससी-एसटी-ओबीसी कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिलाध्यक्ष पवन गोठवाल ने माल्यार्पण और साफा पहनाकर बार संघ अध्यक्ष चरणसिंह पूनिया का स्वागत किया। सुनिल बैरासर ने कोषाध्यक्ष रामसिंह बेरवाल का माल्यार्पण और साफा पहनाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर जयप्रकाश मेहरा, प्रवीण मेघवंशी, राजकुमार चौहान, गजेंद्र बौद्ध, राकेश गोठवाल, बलवीर पटवारी, उम्मेद सुणिया, राजेंद्र एडवोकेट, रामचंद्र एडवोकेट, कमल गोठवाल व प्रकाश बैरासार आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अध्यापक सेवानंद चौहान ने किया। जिलाध्यक्ष पवन गोठवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

ई-मित्र कियोस्कों का औचक निरीक्षण किया

सादुलपुर, (निसं)। उपनिदेशक नरेन्द्र दूहानिया, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग, जिला कार्यालय चूरू के नेतृत्व में तरूण कुमार उपाध्याय व सूचना सहायक विकास कुमार द्वारा कस्बा राजगढ शहर में संचालित ई-मित्र कियोस्कों का औचक निरीक्षण किया गया। वहीं शहरी क्षेत्र में संचालित ई-मित्र कियोस्कों पर विभाग द्वारा जारी नवीनतम रेट लिस्ट व को-ब्रान्डेड बैनर की जांच की गई। साथ ही कियोस्कों को ई-मित्र सेवाओं का विभाग द्वारा निर्धारित शुल्क लेने हेतु पाबंद किया गया। कियोस्कों को उनके द्वारा ई-मित्र की सेवाओं के आवेदन की की जा रही गलतियों के बारे में अवगत करा कर उन गलतियों को दूर करने के संबन्ध में जानकारी दी गई। कियोस्कों को राज्य सरकार की अति महत्वपूर्ण योजना राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत प्राप्त आवेदन जो कियोस्कों के पास लंबित है, उनको जल्द पूर्ण कर संबन्धित कार्यालय में भिजवाने हेतु निर्देशित किया गया।

सार्वजनिक हित में पैसा लगाना संपत्ति का सर्वश्रेष्ठ उपयोग : सिद्धार्थ सिहाग

चूरू, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बजट घोषणा की अनुपालना में जिला मुख्यालय पर अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय के लिए समाज सेवी रियाजत खान की प्रेरणा से भामाशाह हाजी हनीफ खां नसवाण एवं उनके भाई बाबू खां नसवाण ने अपनी 12 बीघा पुश्तैनी जमीन दान की है। इसी प्रकार हाजी याकूब थीम ने विद्यालय में आवागमन के लिए 30 गुणा 300 फ़ीट का रास्ता भूमि प्रदान की है।

सोमवार को हाजी हनीफ खां नसवाण ने जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग को दान स्वरुप भेंट की गई भूमि के दस्तावेज प्रदान किए। जिला कलक्टर ने भामाशाह की सराहना करते हुए कहा कि अपनी संपत्ति में से परोपकार के लिए दान करना एक अद्भुत और प्रेरक बात है तथा इस अंचल में यह परंपरा हमेशा से विद्यमान है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक कार्य के लिए पैसा या संपत्ति दान करना संपत्ति का सबसे बेहतर उपयोग है। समाज सेवी रियाजत खान ने भामाशाह के बड़े दिल की सराहना करते हुए कहा कि कमाई करना बड़ी बात नहीं है कमाए गए धन को बेहतर कार्य के लिए दान करने का मन रखना बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि आज का समय शिक्षा व तकनीक का समय है। प्रत्येक समाज को अपने बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए। यह विद्यालय अल्पसंख्यक समाज के जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने विद्यालय स्वीकृति के लिए राज्य सरकार का भी आभार व्यक्त किया। भामाशाह हाजी हनीफ खां नसवाण एवं बाबू खां नसवाण ने बताया कि उनके पिता हासम खां नसवाण की ख्वाहिश थी कि हर वर्ग के बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए हर संभव प्रयास किए जाए। शिक्षा प्रत्येक वर्गए समाज एवं परिवार के उत्थान के लिए आवश्यक है।

भामाशाह हाजी याकूब थीम ने कहा कि समाज से हम सब कुछ लेते हैंए मेहनत की कमाई समाज सेवा के काम में लगाना समाज को वापस लौटाने का काम है। प्रत्येक व्यक्ति को यह कोशिश करनी चाहिए। दस्तावेज भेंट करते हुए भामाशाह हनीफ खां नसवाण एवं बाबू खां नसवाण ने जिला कलक्टर सिद्धार्थ सिहाग से निवेदन किया कि विद्यालय समाजसेवी भामाशाह हासम खां नसवाण के नाम से संचालित किया जाए। उन्होंने इसी क्रम में आगे भी आवश्यक होने पर जिले में अल्पसंख्यक कॉलेज के लिए भी जमीन देने की बात कही। पूर्व में भी भामाशाह ने दिव्यांग बच्चों के लिए दिव्यांग प्रशिक्षण विद्यालय के लिए जमीन दान दी थी। अल्पसंख्यक विभाग अधिकारी मोहम्मद नियाज ने बताया कि भामाशाहों द्वारा दान की गयी जमीन के दस्तावेज जिला कलक्टर को प्रदान किए गए हैं एवं विद्यालय हेतु आगे की कार्यवाही शुरू की जा चुकी है। उन्होंने अनुरोध किया है कि गणतंत्र दिवस पर आयोजित समारोह में भामाशाहों का सम्मान किया जाए। इस दौरान इलियास नसवाण, अल्पसंख्यक विभाग के मोहम्मद नियाज, कार्यक्रम अधिकारी मुकेश धनखड़ सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

- हाजी हनीफ खां ने कलेक्टर को दान स्वरुप भेंट की गई भूमि के दस्तावेज प्रदान किए

चूरू जॉन के सेवादारों ने किया सफाई अभियान

सादुलपुर, (निसं)। 'हो पृथ्वी साफ मिटे रोग अभिशाप' अभियान के तहत डेरा सच्चा सौदा के संत डॉ गुरमीत राम रहीम सिंह इंसां के पावन आशीर्वाद से रविवार को हरियाणा में चलाये गए महा सफाई अभियान में चूरू जॉन के हजारों की तादाद में अटेली पहुँची साध संगत ने साफ सफाई कर कुछ ही घंटों में अटेली को चकाचक कर दिया। गौरतलब है कि रविवार 23 जनवरी को चलाये गए सफाई अभियान का आगाज डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह जी इंसां के खुद यूपी के बरनावा से इस अभियान का आगाज किया।

किसानों की मांगे नहीं मानी जाने पर गणतंत्र दिवस पर झंडा नहीं फहराने देने की दी चेतावनी

सादुलपुर, (निसं)। अखिल भारतीय किसान सभा और भारत की जनवादी नौजवान सभा तहसील कमेटी राजगढ की ओर से खरीफ-2021 की फसल का बीमा क्लेम क्रॉप कटिंग को आधार मानकर देने की माँग को लेकर सातवे दिन भी एसडीएम कार्यालय के दोनों गेटों को बंद कर एसडीम कोर्ट, राजगढ के सामने प्रदर्शन एवं अनिश्चितकालीन महापडाव जारी रखा। वहीं किसानों और नौजवानों की कमेटी ने निर्णय लिया कि चूरू और सादुलपुर के निर्वाचित जनप्रतिनिधि किसानों और नौजवानों की तरफ नहीं देख रहे है। इसको लेकर26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर राजगढ शहर में ट्रैक्टर रैली निकालने का निर्णय लिया। सुनील पूनियां ने बताया कि ट्रैक्टर रैली धरना स्थल से आरंभ होकर हायर सैकण्डी स्कूल मैदान होते हुए वापस धरना स्थल पर पहुँचेगी तथा माँग पूरी नहीं होने के विरोध में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर राजगढ एवं चूरू में किसी भी राजनेता को झंडा नहीं फहराने देंगे। झंडा केवल स्वतंत्रता सेनानी किसान ही फहराएगा। वहीं गत दिनों से आमसभा खत्म होने के बाद धरना स्थल पर ही रात को डफ का कार्यक्रम किया जा रहा है, जिसमें देवीपुरा और कालाना टीबा की डफ डफ मण्डली के द्वारा डफ का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि खूबसूरती प्रोग्राम प्रस्तुत कर डफ मण्डली ने किसानों के पडाव में रुक कर किसानों का उत्साह बढाया जा रहा है। पूनियां ने बताया कि डफ का कार्यक्रम रोजाना आयोजित होगा, जिसमे देवीपुरा से भरत सिंह ढाका, नरेंद्र मुहाल, सुरेंद्र राजपूत, प्रेमराज झाझडिया, पवन कुमार मुहाल, रामनिवास झाझडिया, सरपंच प्रतिनिधि बलबीर, राजेंद्र ढाका, बलबीर तेतरवाल आदि नें अपने गाँव देवीपुरा की ओर से प्रस्तुती दी।

वहीं अखिल भारतीय किसान सभा और भारत की जनवादी नौजवान सभा ने रंगारंग प्रस्तुति देने के लिए डफ मण्डली को धन्यवाद दिया तथा डफ का प्रोठाम हर रोज किसानों की माँग को उत्साह बढाने के लिए किया जायेगा, जिससे किसान और मजबूत होगा।

खरीफ-2021 की फसल का बीमा क्लेम क्रॉप कटिंग को आधार मानकर देने की माँग को लेकर धरना स्थल पर किसानों ने ही रात्रि भोज किया।

- वीपी कार्यकर्ताओं ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया

सार-समाचार

बालिकाओं को स्टेशनरी बांटी

सादुलपुर, (निसं)। राजकीय मोहता बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजगढ में प्रधानाचार्य डॉ. सुशीला बलौदा की अध्यक्षता में बालिका दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के मीडिया प्रभारी विमलेश चंद्र ने बताया कि प्रधानाचार्य डॉ. बलौदा ने छात्राओं को बालिका दिवस की शुभकामनाएं दी एवं कहा कि अब समय आ गया है कि बालिकाओं को ओर अधिक सशक्त बनाना होगा। उन्होंने कहा कि बालिकाएं पढ-लिख कर समाज को एक नई दिशा दें। इस दौरान बालिकाओं को स्टेशनरी सामठी का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर युवा नेता कृष्ण भाकर, चुन्नीलाल, तौफिक खान व कांता आदि उपस्थित थे। संचालन अनीता देवी ने किया।

फसल खराबे का निरीक्षण किया

तारानगर, (निसं)। किसानों के लिए किसान नेता तारानगर विधायक नरेन्द्र बुडानिया हर समय तैयार है। अत्यधिक पाले से हुई खराब फ़सल के बारे में विधायक बुडानिया को समाचार मिला तो विधायक ने तुरंत अधिकारियों को फ़सल खराब क्षेत्र का निरिक्षण करने के आदेश दिए। विधायक बुडानिया के निर्देशन पर मंगलवार को उपखंड अधिकारी सुभाष कुमार भडिया, तहसीलदार कुलदीप सिंह कस्वां, सहायक कृषि अधिकारी सविता बुडानिया, कृषि पर्यवेक्षक मंजू चौधरी, अंकिता महला, जयकरण कुमावत, गिरदावर रामस्वरूप मुहाल, आदि ने अधिकारी कर्मचारियों ने लुणास, नेठवा, कस्बा तारानगर, भनीण, कालवास आदि ग्राम पंचायतों में अत्यधिक पाले से प्रभावित रबी फ़सल चना, सरसों, गेहूं, जौ इत्यादि फसलों का निरीक्षण किया।

स्किल एग्जीबिशन प्रतियोगिता का आयोजन

सादुलपुर, (निसं)। राजकीय मोहता बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजगढ में व्यवसायिक शिक्षा योजनान्तर्गत स्किल एग्जीबिशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी विमलेश चन्द्र ने बताया कि ट्रेड सौंदर्य एवं रखरखाव तथा सुरक्षा से संबंधित इस प्रतियोगिता में 38 छात्राओं ने उत्साह एवं जोश के साथ भाग लिया। ट्रेड सौंदर्य एवं रखरखाव के अंतर्गत आयोजित कौशल प्रादर्श प्रतियोगिता में कक्षा 10वीं की छात्रा धारिका एवं सेमिनार में कक्षा 11वीं की छात्रा कशीश प्रथम रही। इसी प्रकार ट्रेड सुरक्षा में कौशल प्रादर्श प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं की छात्रा नेहा एवं सेमिनार में कक्षा 10वीं की छात्रा जागृति प्रथम रही। प्रधानाचार्य डॉ. सुशीला बलौदा नें प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं विजेता छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने व्यावसायिक शिक्षा की वर्तमान में प्रासंगिकता के बारे में छात्राओं को विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में चुन्नीलाल, नवाब खान, सुमेर सिंह, अनिता देवी, राधा, राजेश, कौशल मित्र कांता, व्यावसायिक प्रशिक्षक मुकेश एवं बिमला ने सहभागिता निभाई।

मांगों को लेकर प्रदर्शन

चूरू, (कासं)। विभागीय युनानी चिकित्सा अधिकारी संघ राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष डॉ कादिर हुसैन ने बताया कि बजट 2023 के लिए शासन सचिवालय जयपुर में अखिल अरोड़ा अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त, रोहित गुप्ता वित्त सचिव बजट, भवानी सिंह देथा आयुष सचिव से राजस्थान आयुष चिकित्सक महासंघ आयुर्वेद, होम्योपैथी, युनानी के प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा मुलाकात कर राज्य में कार्यरत आयुष चिकित्सकों को पिछले 10 वर्षों से लम्बित डीएसीपी व अन्य मुद्दों को लेकर ज्ञापन दिया गया। इससे पहले सोमवार को शासन सचिवालय डिस्पेन्सरी में महासंघ की मिटिंग हुई।

पेयजल टंकी का उद्घाटन

सादुलपुर, (निसं)। राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय गुलपुरा में सरपंच जयसिंह पूनिया की अध्यक्षता में अतिथिगण पंचायत समिति सदस्य राजेन्द्र धनखड, भामाशाह कृष्ण धनखड, ओम जाखड, दयानन्द सिहाग, जोतराम प्रजापत, हनुमानाराम पूनिया, नन्दराम धनखड, हनुमानाराम मेघवाल की गरिमामयी उपस्थिति में वार्षिकोत्सव समारोह रंगा रंग सम्पन्न हुआ। तथा इसी मौके पर प्रधानाचार्य सुनीता पूनिया,सरपंच जयसिंह पूनिया,कृष्ण धनखड, राजेन्द्र धनखड बी.डी.सी. मेम्बर ने प्याऊ व दो कमरों का उद्घाटन कर पुण्य कार्य किया। ज्ञात रहे कि ये सुन्दर व जनउपयोगी प्याऊ धनखड परिवार द्वारा स्व काशीराम व स्व भतेरी देवी की पुण्यस्मृति में उनके सुपुत्रों द्वारा बनवाई गई है।

पुरस्कार वितरण कार्यक्रम

सादुलपुर, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय घणाऊ में वार्षिक उत्सव, भामाशाह सम्मान समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

ग्राम पंचायत रेशमा देवी की अध्यक्षता एवं भादर राम प्रजापत के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह में जयवीर स्वामी, नन्दलाल गोस्वामी, भादर राम टेलर आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं विद्यार्थियों ने रंगा-रंग कार्यक्रम की प्रस्तुती दी। संस्था प्रधान रोहताश सिंहाग ने प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया। बैठक मैनेजर अजय स्वामी ने विद्यालय में इन्वर्टर व बैटरी भेंट की। कार्यक्रम का संचालन कर रहे कुलदीप चाहर एवं गजेन्द्र सिंह ने बताया कि समरोह में भादरराम एवं नत्थूराम प्रजापत की तरफ से 50 किलो मिठाई विद्यार्थियों को प्रदान की गई। इस अवसर पर सुमेरसिंह, रामजीलाल रंगा, सुरेश घोटिया, राजेश गोदारा, सुनीता, सरोज, विनोद, किरण बाला, आदि उपस्थित रहे।

नाम परिवर्तन

मेरे पुत्र इख्तियार बेग की कक्षा 8 की अंकतालिका में मेरी पत्नी यानी मेरे पुत्र की माता का नाम प्रवीन बानो (PRVIN BANO) की बजाय प्रवीन (PARVEEN) दर्ज हो गया है, जो गलत है। इसलिए मैं नियमानुसार अपने पुत्र की कक्षा 8 की अंकतालिका में संशोधन करवाकर मेरी पत्नी का नाम प्रवीन बानो (PRVIN BANO) दर्ज करवाना चाहता हूं। जो मेरी पत्नी के समस्त दस्तावेज में दर्ज है।

शपथ ग्रहिता

इश्तियाक बेग पुत्र मुश्ताक अहमद उम्र 48 साल जाति मुगल निवासी वार्ड नं. 19 राजगढ तहसील राजगढ़ जिला चूरू (राज.)

विवादकों के स्थिरीकरण के लिए समन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय, मलसीसर, जिला झुंझुनूं (राज.)

किस्तुरी वगै. बनाम रामनविास वगै. दावा बाबत घोषणार्थ, रिकार्ड दुरूस्ती एवं स्थाई निषेधाज्ञा

वाद संख्या 28/2021

प्रेषित- मूलाराम पुत्र माला, 2. चोखाराम पुत्र माला, 3. नरसाराम पुत्र माला, 4. अंजू देवी पुत्री जगदीश, 5. अजय कुमार पुत्र जगदीश, 6. पूनम पुत्री जगदीश, 7. संजय कुमार पुत्र जगदीश, 8. प्रेम पुत्री नानड, 9. सावित्री पुत्री नानड, 10. बिमला पुत्री नानड समस्त जाति मेघवाल निवासी हनुतपुरा तहसील मलसीसर जिला झुंझुनूं (राज.) वादीया किस्तुरी ने आपके विरूद्ध वाद बाबत नकल संलग्न है का वाद किया है आपको इस न्यायालय में तारीख 01.02.2023 को दिन के 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर के द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों के उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या ना हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है, तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद में सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 18.01.2023 को मेरे हस्ताक्षर से न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है। 721/18.01.2023

उपखण्ड अधिकारी मलसीसर

एसबीआई का 31.65 लाख रुपये से भरा एटीएम उखाड़ ले गए नकाबपोश बदमाश

चोरों ने पहले एटीएम की बिजली काटी फिर सीसीटीवी पर काला रंग का स्प्रे कर चोरी को अंजाम दिया

अरांई, (निसं)। पावर हाउस चौराहा स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बाहर लगे एटीएम को अज्ञात चोर उखाड़कर ले गए। चोरों ने पहले एटीएम की बिजली काटी फिर सीसीटीवी कैमरों पर काला रंग का स्प्रे कर चोरी को अंजाम दिया।

सोमवार की देर रात्री को अज्ञात चोरों ने अरांई एसबीआई की शाखा के बाहर लगे हुए एटीएम को उखाड कर केम्पर में डाल कर फरार हो गये। मामले की जानकारी मिलते ही अरांई थाना प्रभारी गुमान सिंह मय जाप्ते रात्रि को घटना स्थल पर पंहुचे एवं नाकाबन्दी करवाई, लेकिन चोरों का अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अरांई पुलिस ने एफएसएल टीम को बुला कर तत्थ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। पुलिस व एफएसएल टीम मिल कर संयुक्त जांच कर रही है। जानकारी अनुसार थाना प्रभारी गुमान सिंह ने बताया कि एटीएम में 31 लाख 65 हजार रूपये थे।

एसबीआई बैंक के समीप लगे एक सीसीटीवी केमरे में एटीएम लूट की घटना रात्रि 2:40 मिनट की है। घटनास्थल पर एक बोलेरो एवं केम्पर गाड़ी एटीएम के सामने आ कर रूकते है। सबसे पहले दो नकाबपोश व्यक्ति बाहर आते है जो बैंक एवं एटीएम में लगे करीब चार से पांच सीसीटीवी केमरों पर ब्लेक स्प्रे करते है। चोरों ने उसके बाद वहां का विद्युत कनेक्सन काट दिया। केम्पर गाडी को एटीएम के समीप लेकर आये और एटीएम को बांध कर बाहर घसीट लिया।

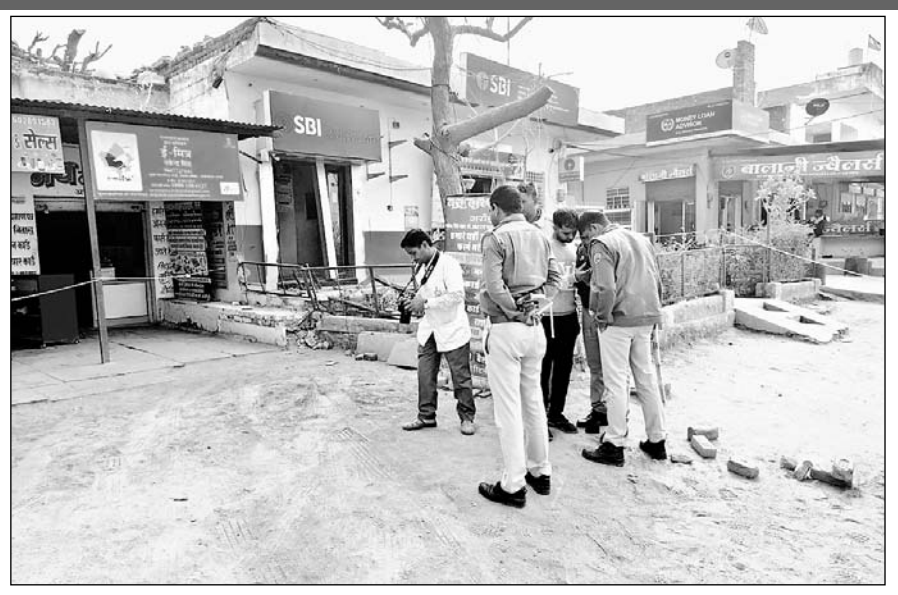

एटीएम लूट की वारदात के बाद पुलिस और एफएसएल टीम ने घटना स्थल पर साक्ष्य जुटाए।

- पुलिस व एफएसएल टीम ने मिलकर संयुक्त जांच की

एटीएम को को सीधे केम्पर में पटका और फरार हो गये।

रात में गश्त के दौरान अरांई पुलिस चौराहे पर एक अन्य गाडी का पीछा करती हुई पहुंची थी। अरांई पुलिस को देखते ही गाडी चालक गाडी को लेकर किशनगढ की तरफ दौडा था। पुलिस ने गाड़ी का पीछा कर रुकवाया तो उसमें सुवर भरे थे। पुलिस ने इस गाड़ी को पकड़कर थाने ले आयी, जहां पूछताछ की गई। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने एसबीआई बैंक के बाहर लगे एटीएम को उखाड लिया और त्वरित गति से फरार हो गये। एसबीआई बैंक के बाहर लगे एटीएम की सुरक्षा पर लगाया गया गार्ड मौके पर नहीं था। पुलिस उक्त गार्ड से पूछताछ कर रही है।

जी-20 सम्मेलन की तैयारियों को लेकर संभागीय आयुक्त ने बैठक ली

अधिकारियों ने सम्मेलन की तैयारियों को लेकर विभागीय गतिविधियों की जानकारी दी

जोधपुर, (कासं)। आगामी 2 से 4 फरवरी तक जोधपुर में आयोजित जी-20 सम्मेलन को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा के लिए संभागीय आयुक्त कैलाशचन्द मीना की अध्यक्षता में मंगलवार को बैठक हुई। इसमें सम्मेलन से जुड़े तमाम प्रबन्धों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता, पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़, उपायुक्त डॉ. अमृता दुहन, गौरव यादव, नगर निगम आयुक्त अरुण कुमार पुरोहित एवं अतुल प्रकाश, जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त नवनीत कुमार, एसीपी ट्राफिक चैनसिंह महेचा आदि अधिकारियों ने सम्मेलन की तैयारियों को लेकर विभागीय गतिविधियों की जानकारी दी।

संभागीय आयुक्त ने सम्मेलन से संबंधित सभी स्थानों पर सौन्दर्यीकरण, मरम्मत आदि कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जन सहभागिता से दीवारों पर रंग-रोगन, स्वागत द्वार लगाने, चौराहों को सुसज्जित करने आदि के कार्य कराए जाएंगे। इस दौरान् स्वागत में सहभागी बनने वाले शहरवासियों की जन सहभागिता के वीडियो भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

संभागीय आयुक्त ने जी 20 सम्मेलन के रूट तथा आयोजन स्थलों के आस-पास सीसीटीवी कैमरे लगवाने, सभी कार्यों की रफ्तार में तेजी लाने, कार्य को गति देने के लिए कार्मिकों की संख्या में अभिवृद्धि करने के निर्देश देते हुए कहा कि 30 जनवरी से विशिष्टजनों का आगमन शुरू हो जाएगा। इसे देखते हुए कार्यों में गति लाएं।

जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन के दौरान जोधपुर के उद्योग और हस्तशिल्प की झलक दिखाने के लिए सालावास की दरियां, लाख की चूड़ियों, बाजरे का खेत आदि पर स्टॉल्स लगाए जाएंगे। जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता ने सम्मेलन की जिला प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों पर विस्तार से जानकारी दी और बताया कि शहर को निखारने का कार्य अच्छी तरह चल रहा है और सम्मेलन से संबंधित कार्य तय समय पर पूर्ण कर लिए जाएंगे।

हादसे में पांच जने घायल

सूरतगढ़, (निसं)। सोशल मीडिया पर लाइव आना सूरतगढ़ इलाके के तीन युवकों को उस समय भारी पड़ गया, जब उनकी पिकअप एक कार से जा भिड़ी। हादसे में पिकअप सवार तीन लोग घायल हो गए। वहीं कार सवारों के भी गंभीर घायल होने की जानकारी सामने आई है। घटना सोमवार रात हरियाणा क्षेत्र के एलनाबाद में हुई।

हादसे से पहले का वीडियो भी सामने आया है। जानकारी के मुताबिक सूरतगढ़ सुपर तापीय परियोजना इलाके के पास रायवाली गांव के निवासी तीन युवक पिकअप जीप में सवार होकर बीती रात 11.30 बजे हरियाणा में किसी काम से जा रहे थे। पिकअप चला रहे युवक ने एलनाबाद में देर रात को मोबाइल से फेसबुक लाइव करना शुरू कर दिया। वीडियो के मुताबिक तीनों की बातचीत के दौरान एक कार उनके पास से ओवरटेक करती है। वहीं सामने से भी एक अन्य वाहन आता दिखाई दे रहा है। ओवरटेक करने वाली कार कुछ ही दूरी बाद सड़क किनारे रुक जाती है। इसी दौरान सामने से आ रहे वाहन की रोशनी से पिकअप सवार संभल नही पाते और दुर्घटना हो जाती है।

विदाई समारोह से अभिभूत हुए सैशन न्यायाधीश

- जालोर के सैशन न्यायाधीश सिया रघुनाथदान को स्थानान्तरण पर अभिभाषक संघ ने दी विदाई

जालोर, (कासं)। जालोर अभिभाषक संघ की ओर से मंगलवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश जालोर सिया रघुनाथदान के स्थानान्तरण समारोह पर उन्हें उत्साह पूर्वक विदाई दी। अभिभाषक संघ द्वारा रखे गये विदाई समारोह से सैशन न्यायाधीश अभिभूत नजर आये। जालोर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश सिया रघुनाथदान का स्थानान्तरण झालावाड होने पर अभिभाषक संघ जालोर की ओर से विदाई समारोह रखा गया।

जालोर शहर के एक होटल में आयोजित समारोह में जिला कलैक्टर निशांत जैन, एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला, एडीजे तनसिंह चारण, पारिवारिक न्यायालय की न्यायाधीश शैल कुमारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव न्यायाधीश विरेन्द्र कुमार मीणा, सीजेएम महेश कुमार, एसीजेएम प्रथम चारण आशा व न्यायिक मजिस्ट्रेट हर्षिता राठौड़ मौजूद रही। समारोह में अभिभाषक संघ जालोर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार दवे ने अतिथियों का अभिनंदन किया। इसके बाद माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। समारोह में सैंशन न्यायाधीश सिया रघुनाथदान का अधिवक्ताओं ने साफा व माला पहनाकर स्वागत किया। वरिष्ठ अधिवक्ता परमानंद शर्मा ने सैंशन न्यायाधीश का तिलक व श्रीफल देकर स्वागत किया।

इस दौरान परमानंद शर्मा, बसंत कुमार गहलोत, अशोक जोशी, राजेन्द्र कुमार कच्छवाह, चैनराम पटेल, त्रिलोकचन्द मेहता, सवाराम, नैनसिंह राजपुरोहित, मोहनसिंह राणावत, संतोष भारती, देवेन्द्रसिंह , मुमताज अली, तरूण सोलंकी, अभिभाषक संघ के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष इन्द्रजीत मेघवाल, सचिव रज्जब खान खोखर, कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार, पुस्तकालय अध्यक्ष गोपाल जोशी आदि मौजूद थे।

हैड कांस्टेबल को टक्कर मारी

चूरू, (कासं)। यहां पुलिस लाईन में तैनात एक हैड कांस्टेबल को एक शराबी ने कार की टक्कर मारकर घायल कर दिया। कोतवाली थाना में दी रिपोर्ट में ओमप्रकाश पुत्र श्योकरण जाट निवासी सिरसला हाल हैड कांस्टेबल पुलिस लाईन चूरू ने लिखा है कि वह अपनी बाईक लेकर बाजार की ओर जा रहा था। उसी समय भू जल विभाग में नौकरी करने वाले लक्ष्मणसिंह ने उसकी बाईक को कार की टक्कर मार दी। कार चालक लक्ष्मणसिंह शराब के नशे में था। टक्कर मारने के बाद घायल हैड कांस्टेबल को आरोपी अस्पताल भी नहीं ले गया और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आठ लाख की चोरी का खुलासा, ट्रक चालक और रिश्तेदार गिरफ्तार

- 16 तोला सोना, एक किलो चांदी और 85 हजार से ज्यादा की नगदी चुराई थी

जोधपुर, (कासं)। शहर के करवड़ क्षेत्र में गत 29 दिसम्बर की रात को एक सूने मकान में हुई आठ लाख की चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक ट्रक चालक और रिश्तेदार को पकड़ा है। यह लोग भीलवाड़ा और चितौडगढ़ से आते और ट्रक में चोरी कर लौट जाते। ट्रक को चोरी के काम में ही लेते थे। पुलिस ने ट्रक का पता लगाने के लिए अजमेर के ब्यावर और बैगू तक सीसीटीवी कैमरों को खंगाला और बदमाशों को अब पकड़ लिया। फिलहाल एक चोरी का खुलासा हुआ है। अन्य आपराधिक रिकार्ड भी देखा जा रहा है।

करवड़ थानाधिकारी बुधाराम ने बताया कि गत 29 दिसम्बर को मदनलाल खिंची के मकान में अज्ञात चोरों ने सेंध लगाकर वहां से 16 तोला सोना, एक किलो चांदी और 85 हजार से ज्यादा की नगदी चुराई थी, जिस बारे में केस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि मामले में चोरों का पता लगाने के लिए पुलिस ने सीसीटीवी फुटेजों को खंगाला। तब घड़ाव गांव के पास में एक संदिग्ध ट्रक सूने स्थान पर खड़ा नजर आया। जिस पर उसकी लोकेशन और फुटेजों को देखा तो पता लगा कि यह ट्रक अजमेर ब्यावर होते हुए बैग चितौड़गढ़ तक नजर आया है। आखिरकार पुलिस ने ट्रक का पता लगाते हुए उसे एक वर्कशॉप में पड़ा पाया। बाद में पुलिस ने ट्रक लाने वाले उसके चालक मालिक भीलवाड़ा के मांडलगढ़ स्थित लाडपुरा निवासी कालू कंजर पुत्र सुरेश कंजर को पकड़ा। इस पर उससे चोरी का खुलासा हुआ। इस काम में उसने अपने एक अन्य रिश्तेदार चितौड़गढ़ के मंडावरा बैगू निवासी जितेंद्र पुत्र आसाराम कंजर का साथ होना बताया। पुलिस उसे भी गिरफ्तार कर लाई है।

पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी कालू कंजर खुद ट्रक चलाने के साथ मालिक भी है। वह ट्रक को चोरी के लिए ही प्रयुक्त करता था। अपने किसी परिचित को साथ लेता और सूने मकानों की रैकी कर बाद में चोरी कर लेते। इसके बाद ट्रक लेकर फिर अपने गांव लौट आता।

29 जनवरी तक उत्कर्ष ऑनलाइन कोर्सेस पर छूट

- लाइव कोर्स के साथ सम्पूर्ण रिकॉर्डेड कोर्स निःशुल्क
- 74वें गणतंत्र दिवस पर उत्कर्ष की दोहरी सौगात

जोधपुर, (कासं)। उत्कर्ष क्लासेस द्वारा 74वें गणतंत्र दिवस के गौरवमयी अवसर पर देश भर के विद्यार्थियों के लिए उत्कर्ष एप के सभी ऑनलाइन कोर्सेस पर दोहरा लाभ प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। इसके तहत 25 से 29 जनवरी तक उत्कर्ष एप के 650 से अधिक ऑनलाइन कोर्सेस पर 90 प्रतिशत तक की छूट तथा लाइव कोर्स के साथ उसी कोर्स का रिकॉर्डेड ऑनलाइन कोर्स निःशुल्क दिया जा रहा है। उत्कर्ष एप को अब तक 1 करोड़ से अधिक विद्यार्थी डाउनलोड कर चुके हैं तथा यह एप अपने कई यूनिक फीचर्स के कारण विद्यार्थियों का पसंदीदा एप है।

उत्कर्ष क्लासेस के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. निर्मल गहलोत ने देश भर के सभी विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए बताया कि इस अवसर पर संस्थान द्वारा रखे गए दोहरे लाभ ऑफर के अंतर्गत उत्कर्ष एप में उपलब्ध सभी केन्द्रीय व राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं सहित विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं एवं स्कूली ट्यूशन के ऑनलाइन कोर्सेस पर भारी डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसके साथ ही जिन विद्यार्थियों को लाइव कोर्सेस के साथ तैयारी करने में रुचि हैं उन्हें वे ऑनलाइन कोर्स नाममात्र के शुल्क में मिलने के साथ ही उसी कोर्स का सम्पूर्ण रिकॉर्डेड ऑनलाइन कोर्स भी निःशुल्क प्राप्त होगा। विद्यार्थी उत्कर्ष एप के ऑनलाइन कोर्सेस सीएससी या ई-मित्र से खरीदने पर 10 प्रतिशत का अतिरिक्त डिस्काउंट पाकर भी लाभान्वित हो सकते हैं। डिस्काउंट ऑफर के अतिरिक्त उत्कर्ष एप में प्रत्येक परीक्षा की तैयारी के लिए पाँच ऑनलाइन मॉडल टेस्ट पेपर्स भी निःशुल्क उपलब्ध हैं।

डॉ. निर्मल गहलोत

डॉ. गहलोत ने बताया कि उत्कर्ष एप में आईएएस, एसएससी, बैंक, रेलवे, केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट) इत्यादि के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा एवं बिहार के विभिन्न राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं सहित नीट-जेईई, क्लेट, सीयूईटी, डिफेंस, नर्सिंग, कृषि, न्यायपालिका परीक्षा, इंजीनियरिंग के ऑनलाइन कोर्सेस तथा सीबीएसई एवं विभिन्न राज्य बोर्ड के तहत कक्षा 6 से 12 तक (हिंदी व अंठोजी माध्यम) के ऑनलाइन ट्यूशन कोर्सेस उपलब्ध हैं। इन सभी श्रेणियों पर यह दोहरा लाभ ऑफर दिया जा रहा है।

डॉ. गहलोत ने जानकारी प्रदान की कि इस महा डिस्काउंट ऑफर के अलावा 28 जनवरी को प्रतियोगी परीक्षाओं की विभिन्न श्रेणियों को लेकर ऑनलाइन मेगा इनामी टेस्ट भी आयोजित किया जाएगा जिसमें देश भर के विद्यार्थी उत्कर्ष एप के माध्यम से बतौर प्रतिभागी भाग लेकर अपनी-अपनी तैयारी की परख कर सकते हैं। प्रात: 8 बजे से रात्रि 12 बजे तक आयोजित इस टेस्ट की विभिन्न श्रेणियों में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में से 1000 भाग्यशाली विजेताओं का चयन लक्की ड्रॉ के माध्यम से किया जाएगा। प्रत्येक विजेता को 500 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

दुष्कर्मियों को उम्रकैद

डूंगरपुर, (निसं)। छात्रा के दुष्कर्म करने के मामले पॉस्को कोर्ट ने 2 आरोपी को उम्रक़ैद की सजा सुनाई हैं। वहीं, कोर्ट ने दोषी चंदूलाल को 3 लाख 15 हज़ार 500 रुपये का जुर्माना और दोषी निलेश को 2 लाख 15 हज़ार रुपये का जुर्माना लगाया हैं। सरकारी वकील योगेश जोशी ने बताया कि पीड़ित ने थाने में 22 दिसंबर 2022 को रिपोर्ट देकर बताया कि वो खेत में घास काटा रही हैं थी। तब आरोपी चंदूलाल और निलेश बाइक लेकर आये। इसके बाद उसे जबरन बाइक पर बिठाकर विष्णु मंदिर के पास ले जाकर पीड़िता के साथ चंदू ने दुष्कर्म किया। वही, निलेश ने चंदू का साथ दिया। इसके बाद पीड़िता ने थाने में दोनों आरोपियों के ख़िलाफ़ रेप का मामला दर्ज करवाया था।

शराब की 402 पेटियों से भरा ट्रक पकड़ा, दो गिरफ्तार

- अनार के सूखे छिल्कों से भरे प्लास्टिक कट्टों के नीचे छिपाई थी शराब

श्रीगंगानगर, (निसं)। आबकारी पुलिस ने पंजाब से गुजरात जा रही 402 पेटी अंग्रेजी अवैध शराब जब्त की है। यह कार्रवाई नेशनल हाईवे 62 पर चक 22 एमएल के पास नाकाबंदी के दौरान की गई। पंजाब निवासी ट्रक चालक और परिचालक को मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। जिला आबकारी अधिकारी डॉ. नरेंद्रकुमार थोरी ने बताया कि आबकारी निरीक्षक मनीष पारीक, आबकारी ग्रामीण थानाधिकारी जयदयाल यादव, थानाधिकारी बनवारी लाल सैनी की ओर से मुखबिर की सूचना पर गश्त करते हुए नाकाबंदी की गई।

जानकारी के अनुसार सूरतगढ़ रोड नेशनल हाईवे 62 पर गांव 22 एमएल के पास नाकाबंदी की गई। इस दौरान पंजाब से गुजरात जा रहे ट्रक की तलाशी ली गई। ट्रक में अनार के सूखे छिल्कों से भरे प्लास्टिक कट्टों के नीचे छिपाई 402 पेटियों में पंजाब निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब की 4824 विभिन्न ब्रांड की बोतलें बरामद की गईं। ट्रक के ड्राइवर गुरसाहिब सिंह व उसके साथी परमजीत सिंह को मौके पर दस्तयाब किया गया। वहीं ट्रक, इसमें भरे अनार के सूखे छिलकों तथा अंग्रेजी शराब को जब्त कर आबकारी एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों को मंगलवार को अदालत में पेशकर रिमांड पर लिया जाएगा ताकि इस रैकेट की तह तक जाया जा सके। उल्लेखनीय है कि राजियासर पुलिस ने भी पिछले सप्ताह ऐसा ही ट्रक पकड़ा था, जिसमें 500 से ज्यादा पेटी थी और वह नमक की आड़ में ले जाई जा रही थी।

नगदी छीनने वाले चार गिरफ्तार

धौलपुर, (निस)। धौलपुर शहर की सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भरतपुर बाईपास रोड ओवरब्रिज के पास से ट्रक चालक को बंधक बनाकर रुपए छीनकर भागने वाले चार आरोपियों को घटना के महज 4 घण्टे में ही गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

सदर थाना प्रभारी हनुमान सहाय ने बताया कि 23 जनवरी को भरतपुर बाईपास रोड ओवर ब्रिज के पास से ट्रक चालक को बंधक बनाकर रुपए छीनकर भागने वाले 4 आरोपियों को घटना के महज 4 घण्टे के अन्तराल में ही आरोपी अग्रसेन पुत्र मान सिंह गुर्जर निवासी भीका का पुरा मौरोली, अतवीर सिंह पुत्र हरिप्रसाद गुर्जर निवासी महात्मानन्द की बगीची पुराना शहर धौलपुर, नरवीर पुत्र हरिप्रसाद गुर्जर निवासी महात्मानन्द की बगीची पुराना शहर धौलपुर, सतीश पुत्र पूरन सिंह गुर्जर निवासी मसूदपुर थाना सहाय छोला जिला मुरैना को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

बेटे के बाद अब महिला ने तोड़ा दम

- तस्करों ने पेट्रोल छिड़क कर लगाई थी आग
- बीकानेर में चल रहा था इलाज

हनुमानगढ़, (निसं)। अफीम तस्करों के पीलीबंगा के वार्ड 9 में घर में पेट्रोल छिड़क कर दंपती और बेटे को जिंदा जलाने के मामले में बेटे के बाद अब झुलसी महिला की भी मौत गई। गंभीर रूप से झुलसी महिला का बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में इलाज चल रहा था। सात वर्षीय बेटे की पहले ही मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि पीलीबंगा के वार्ड 9 निवासी जसवीर दास उर्फ मद्दी, उसकी पत्नी मनप्रीत कौर और बेटा एकमजीत दास 19 जनवरी को अलसुबह करीब साढ़े पांच बजे घर के कमरे में सो रहे थे। उसी समय किसी ने घर में पेट्रोल छिड़क आग लगा दी। आग लगने से कमरे में बेड पर सो रहे पति-पत्नी और बेटा झुलस गए। तीनों को झुलसी अवस्था में पीलीबंगा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया। यहां से हनुमानगढ़ के गवर्नमेंट जिला अस्पताल रेफर कर दिया। यहां से मनप्रीत कौर और एकमजीत को हायर सेंटर बीकानेर रेफर कर दिया। वहीं, जसवीर दास को भर्ती कर इलाज शुरू किया। उसी दिन बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में इलाज के दौरान एकमजीत दास ने दम तोड़ दिया। महिला ने भी रात को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

जसवीर दास ने पुलिस को बताया था कि वह पहले चिट्टे का नशा करता था। तब वह जिनसे चिट्टा खरीदता था, अब उन्हीं लोगों ने उसकी गली में चिट्टा बेचना शुरू कर दिया था। जब उसने उन लोगों को चिट्टा बेचने से रोका तो उन लोगों ने हाथापाई की। तब इन लोगों ने धमकी दी कि वे उसे देख लेंगे। यही लोग बाल्टी में पेट्रोल भरकर उसके घर आए और पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए मात्र 6 घंटे में पड़ोसी राज्य पंजाब से शारज सिंह उर्फ गोरा (27) पुत्र बाजसिंह मजहबी निवासी झोरड़खेड़ा पीएस बहावाला तहसील अबोहर हाल किराएदार ढाणी चिराग पीएस अबोहर सिटी-1 जिला फाजिल्का (पंजाब) व उसके पिता बाजसिंह (53) पुत्र मुकंद सिंह को बापदी गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों ने पूछताछ के दौरान बताया कि जसवीर दास उर्फ मद्दी के साथ उनका चिट्टा खरीद के रुपयों का विवाद था। जसवीर दास ने रुपए देने से मना कर दिया। इस पर रंजिशवश उन्होंने बाल्टी में भरा पेट्रोल जसवीर दास उर्फ मद्दी के रिहायशी मकान में फेंककर लाइटर से आग लगा दी। पुलिस ने इस मामले में अन्य लोगों के भी संलिप्त होने की जानकारी दी।

अनिश्चितकालीन धरना जारी

सांचोर, (निसं)। सांचोर उपखंड कार्यालय भारतमाला परियोजना नेशनल हाईवे गुजरात सिक्स लाइन प्रोजेक्ट गुजरात बॉर्डर सेक्शन नंबर एनएच 754 अमृतसर से जामनगर इकोनामिक कॉरिडोर राजस्थान ईपीसी मॉड फेस फर्स्ट निर्माणाधीन कंपनी के द्वारा डीपीआर के अनुसार कार्य नहीं करने को लेकर अनिशितकालीन धरना मंगलवार को दूसरे दिन जारी रहा।

एसडीएम के मार्फत नितिन गडकरी मंत्री रोड़ एवं ट्रांसपोर्ट नेशनल हाईवे के नाम ज्ञापन दिया। भारतमाला नेशनल हाईवे घोटाला व डीपीआर एष्टीमेंट प्रोफाइल पर कार्य करवाने की मांग को लेकर गलत कार्य की जांच करने की मांग की है। वही डीपी आर एवं ड्राइंग की लागत ने वेरिएशन कंपनी अपने बिल में से भुगतान करना था परंतु इसी समय तक कंपनी एमएसपी अथॉरिटी इंजीनियर एनएचआई अधिकारियों द्वारा भारी रिश्वत लेकर इस प्रकार के अनियमितता को दबा दिया गया है। जिसकी जांच एनएचआई विजिलेंस से कराने की मांग की है। ग्राम लाछडी में कंपनी का बेस प्लांट पिछले दो सालों से अवैध तरीके से नियम के विरुद्ध कृषि भूमि चल रहा है और कारोला में अवैध तरीका डामर प्लांट पिछले 12 महीने से चल रहा है। जिसकी शिकायत उपखंड अधिकारी तहसीलदार को की। लेकिन एसडीएम सांचौर तहसीलदार द्वारा कंपनी को अनुचित फायदा लेकर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है।

जेईई-मेन की परीक्षा शुरू, पहले दिन का पेपर सामान्य रहा

तीनों विषयों में से किसी भी विषय में विद्यार्थियों को किसी विशेष तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ा

कोटा, (निसं)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित की जा रही देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन का जनवरी सेशन की परीक्षा मंगलवार से शुरू हो गई। कम्प्यूटर बेस्ड मोड पर कोटा में दो परीक्षा केन्द्रों पर यह परीक्षा हुई।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि स्टूडेंट्स के फीडबैक व सीसैट पर प्राप्त रिस्पॉन्सेज के आधार पर यह कहा जा सकता है कि पहले दिन का पेपर सामान्य रहा। तीनों विषयों में से किसी भी विषय में विद्यार्थियों को किसी विशेष तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। पेपर पैटर्न में भी किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया। 20 सवाल मल्टीपल च्वाइस के थे, जिसमें से 2-3 एसरशन-रिजनिंग (कथन और कारण) वाले थे। 10 न्यूमेरिकल वैल्यू के रहे। न्यूमेरिकल वैल्यू के 10 में से 5 सवाल ही हल करने थे।

कक्षा 11 से करीब 40 तथा कक्षा 12 से करीब 60 प्रतिशत सवाल पूछे गए। सुबह की पारी में फिजिक्स का पेपर सामान्य रहा। मैकेनिक्स से संबंधित काइनेमेटिक्स, एनएलएम रोटेशन से सवाल पूछे गए। इलास्टीसिटी थर्मोडायनेमिक्स के साथ-साथ इलास्टिसिटी और थर्मल एक्सपांशन के प्रश्न पूछे गए। एरर, फ्लुड और साउंड वेव से कोई सवाल नहीं था। जेईई-मेन एक्सक्लूसिव टॉपिक्स में सेमी कंडक्टर और कम्यूनिकेशन सिस्टम के प्रश्न शामिल किए गए। एक सवाल फोटो डायोड से भी रहा। केमेस्ट्री का पेपर सामान्य से कठिन रहा। पहले भाग में मैचिंग लिस्ट और एसरशन-रिजनिंग टाइप प्रश्न भी पूछे गए। फिजिकल केमेस्ट्री में गैसीय अवस्था, परमाणु संरचना, केमिकल काइनेटिक्स, आयनिक साम्य, वैद्युत रसायन, उष्मा गतिकी तथा लिक्विड विलयन व सरफेस कैमेस्ट्री के मिश्रित सवाल थे। ऑर्गेनिक कैमेस्ट्री में जीओसी, शुद्धिकरण तकनीक, हैलोजन डेरिवेटिव, ग्रिगनार्ड अभिकर्मक, एलडोल कंडेशेषण, बायोमोलीक्यूल तथा कैमेस्ट्री इन एवरी-डे लाइफ के प्रश्न थे। इनऑर्गेनिक कैमेस्ट्री में हाइड्रोजन बंधन, मैग्नेटिक मोमेंट, मेटलर्जी, साल्ट एनालिसिस तथा एस व डी ब्लॉक एवं एनवायरमेंटल रसायन शास्त्र से सवाल पूछे गए। मैथ्स का पेपर सामान्य रहा, गत वर्ष की तुलना में आसान कहा जा सकता है।

कैल्कुलस में 6 से 7 सवाल सामान्य स्तर के रहे। कॉर्डिनेट ज्योमेट्री से 4 सवाल पूछे गए। वेक्टर-3डी से भी 4 सवाल तथा मैट्रिक्स से एक सवाल पूछा गया। डिटरमिनेंट से भी एक सवाल तथा क्वाड्रैटिक-डिटरमिनेंट का मिक्स सवाल भी पूछा गया। एलजेब्रा से 35 से 40 प्रतिशत सवाल पूछे गए। जेईई-मेन टॉपिक्स के रीजनिंग ओर रिलेशन से 1-1 सवाल पूछा गया।

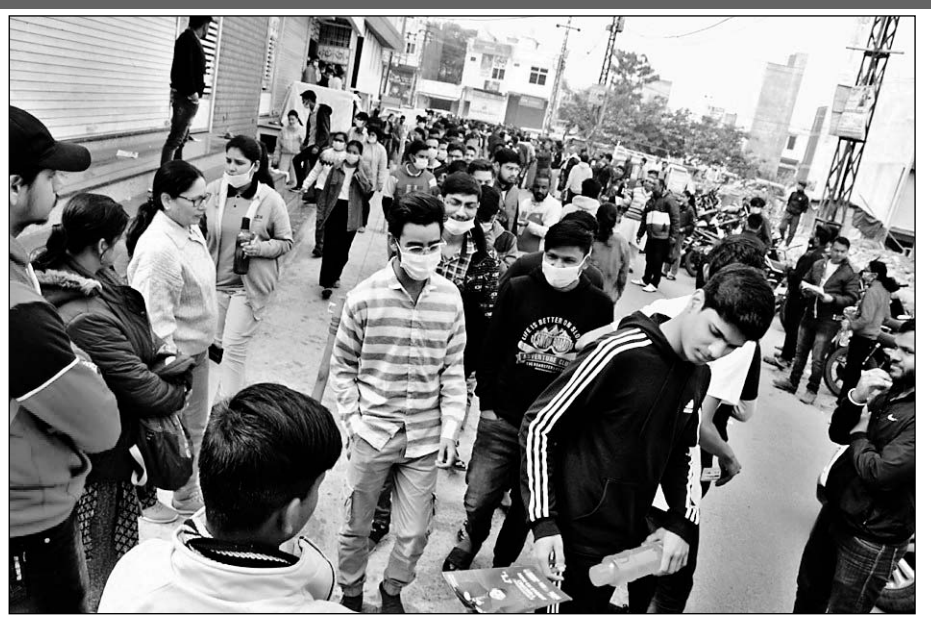

जेईई मेंस के पेपर को लेकर छात्रों में उत्सुकता रही।

'सी.बी.आई. से जांच करवाई तो 8 साल तक जांच चलेगी, 15 साल तक भर्तियां नहीं होंगी, बच्चों को भविष्य खराब हो जायेगा'

मंत्री धारीवाल ने सदन में पेपर लीक काण्ड की सी.बी.आई. से जांच न कराने के लिये अजीबो-गरीब तर्क दिया

- इस मुद्दे पर नाराज नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया व मंत्री धारीवाल के बीच तीखी नोंकझोंक हुई
- हंगामा बढ़ता देख स्पीकर ने 10 मिनट तक सदन की कार्यवाही स्थगित की, फिर चर्चा खत्म करवा दी

- विधानसभा संवाददाता -

जयपुर। शिक्षक भर्ती पेपरलीक प्रकरण की सीबीआई जांच करवाने से संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल ने साफ मना कर दिया हैं। जिस पर नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और तमाम बीजेपी विधायकों के साथ उनकी जमकर नोकझोंक भी हुई। हंगामा इतना बढ़ा कि स्पीकर को 10 मिनट तक सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी और फिर चर्चा खत्म करने का फरमान सुनाना पड़ा।

दरअसल विधानसभा में मंगलवार को जैसे ही शून्यकाल शुरू हुआ तो विपक्ष ने पेपरलीक प्रकरण उठाते हुए गहलोत सरकार को घेर लिया। स्पीकर डॉ.सी.पी.जोशी ने भी इस मुद्दे पर सदन में चर्चा करवाई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल और नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। इस कारण सदन में काफी देर तक हंगामा हुआ, जिस पर स्पीकर ने पहले 10 मिनट तक कार्यवाही स्थगित की, फिर करीब ढाई घंटे में ही चर्चा खत्म करवा दी।

संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल ने पेपरलीक प्रकरण पर सरकार की तरफ से जवाब दिया। उन्होंने विपक्ष की सीबीआई जांच की मांग को खारिज करते हुए कहा "पेपरलीक प्रकरण की जांच अगर सी.बी.आई. को दिया गया तो क्या होगा? 8 साल तो इन्वेस्टिगेशन चलता रहेगा और जो सारे दस्तावेज हैं वे सब सी.बी.आई. ले जाएगी। फिर 15 साल तक भर्ती परीक्षाएं नहीं हो पाएगी। स्टूडेंट्स का भविष्य खराब हो जाएगा।"

धारीवाल ने कहा कि पेपरलीक मामले में तेजी से जांच करवाई जा रही है और इसकी डे-टू-डे मॉनिटरिंग की जा रही है। दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाएंगे। हमारा कमिटमेंट है कि स्टूडेंट्स का भविष्य खराब न हो, इसलिए परीक्षा करवाकर भर्ती की जाएगी। राजस्थान पुलिस जांच करने में सक्षम है और सीबीआई जांच की मांग को खारिज करता हूं।

इससे पहले पेपरलीक पर बहस के दौरान उस वक्त हंगामा हुआ, जब शिक्षा मंत्री बी.डी.कल्ला के जवाब से नाराज नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने बायकॉट करने की घोषणा की। इस पर मंत्री शांति धारीवाल ने बीच में टोकते हुए कहा कि पहले पूरा जवाब सुनकर जाइए। धारीवाल के टोकने पर कटारिया नाराज हो गए और कहा क्या जवाब सुन लें? इसके बाद कटारिया और धारीवाल के बीच नोकझोंक हो गई। जिस पर बीजेपी विधायकों ने भी हंगामा शुरू कर दिया। स्पीकर सी.पी.जोशी ने पहले तो सभी को शांत कराना चाहा, फिर दोपहर 1:57 बजे 10 मिनट के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। पुन: 2:07 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही स्पीकर ने विधायकों के बर्ताव पर नाराजगी जताई। सी.पी.जोशी ने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दिन स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा नहीं होती, लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए परंपरा तोड़कर पेपरलीक के स्थगन पर चर्चा की मंजूरी दी है। हमें भर्ती प्रक्रिया से परीक्षाओं के पैटर्न पर चर्चा की जरूरत है।

प्रदेश में मंगलवार को कोई भी नया करोना संक्रमित नहीं मिला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में दो दिन बाद मंगलवार को फिर करोना संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। हालांकि इस बीच राज्य में किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। प्रदेश में फिलहाल 5 एक्टिव केस मौजूद है।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना का कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। इससे पहले सोमवार को तीन रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में भी आज एक भी नया संक्रमित सामने नहीं आया है। जिले में सोमवार को एक संक्रमित मिलने के बाद फिलहाल एक एक्टिव केस है। उधर प्रदेश में भी आज किसी भी मरीज के रिकवर नहीं होने से पांच एक्टिव केस बने हुए हैं। इनमें जोधपुर में 3, जयपुर तथा नागौर में 1-1 एक्टिव केस बचा है। प्रदेश में मंगलवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9654 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में कोविड वैक्सीनेशन में एक बार फिर तेजी आई है। इसके तहत मंगलवार को 14 हजार से ज्यादा लाभार्थियों को टीके लगाये गये है। इनमें 11हजार 463 लोगों को प्रोकॉशन डोज दी गई है।

चोलामंडलम बीमा कंपनी पर 2.62 लाख रुपये का हर्जाना

जयपुर। जिले की स्थाई लोक अदालत ने पात्र होने के बावजूद भी बीमा राशि का भुगतान नहीं करने पर चोलामंडलम बीमा जनरल बीमा कंपनी पर 21 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही अदालत ने परिवाद व्यय के तौर पर अलग से 5100 रुपए अदा करने के आदेश देते हुए 2.62 लाख रुपए की क्लेम राशि भी ब्याज सहित देने को कहा है। अदालत ने यह आदेश अमरचन्द खींची के परिवाद पर दिए।

परिवाद में कहा गया कि प्रार्थी का ट्रक 9 जून 2020 को दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। बीमा राशि के भुगतान के लिए समस्त कार्रवाई करने के बाद भी बीमा कंपनी ने क्षितपूर्ति राशि का भुगतान नहीं किया। वहीं बीमा कंपनी की ओर से कहा गया कि सर्वेयर ने 2.62 लाख रुपए के नुकसान का आंकलन किया था, लेकिन परिवादी ने वाहन खरीदने के बाद उक्त वाहन का परमिट अपने नाम ट्रांसफर नहीं कराया। ऐसे में परिवादी पूर्व पंजीकृत स्वामी के नाम से जारी वाहन के परमिट के आधार पर वाहन प्रयोग में लेने का अधिकार नहीं रखता है। इसलिए बीमा शर्तों की अवहेलना करने पर क्लेम राशि का भुगतान नहीं किया गया है।

पच्चीस हाईटेक इंटरसेप्टर को रवाना किया

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास से 25 हाईजेक इंटरसेप्टर वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डिजिटल तकनीक से सुसज्जित इंटरसेप्टर रात्रि में भी गति मापने एवं वाहन नंबर प्लेट पढ़ने में सक्षम हैं। ये वाहन सड़क सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने में कारगर साबित होंगे। राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा कोष से लगभग 5 करोड़ रुपए लागत से राजस्थान पुलिस को इंटरसेप्टर उपलब्ध कराए गए हैं।

गहलोत ने कहा कि पुलिस एवं संबंधित विभागों को अत्याधुनिक संसाधनों व जागरुकता अभियानों के लिए वित्तीय स्वीकृतियां दी जा रही है।

शर्म की बात है! पेपरलीक के डाकू बाहर खुले घूम रहे हैं : गुलाबचंद कटारिया

"5-7 लाख रु. लेकर पेपर सॉल्व कराने वाले पकड़े थे, उनकी भी जमानत हो गई"

- राजेन्द्र राठौड़ बोले : कांग्रेस नेताओं की जिन स्कूल-कॉलेजों में पेपरलीक हुए, मान्यता आज तक खत्म नहीं की, यह पक्षपात है।
- "शिक्षक भर्ती पेपरलीक की जिम्मेदार आर.पी.एस.सी. है। चेयरमैन को मालूम है, पेपर कहां प्रिंट होता है, कहीं बिल्ली को तो दूध की रखवाली नहीं सौंप दी?"

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। शिक्षक भर्ती पेपरलीक मुद्दे को लेकर नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने सदन में गहलोत सरकार पर जमकर हमला बोला। कटारिया ने कहा कि बड़े शर्म की बात है ! पेपरलीक के डाकू बाहर खुले घूम रहे हैं। दिखावे के लिए 5-7 लाख रुपये लेकर पेपर सॉल्व करवाने वाले जिन लोगों को पकड़ा था, उन सब की जमानत हो गई। इस सदन की कमेटी बनाकर कम से कम परीक्षा प्रणाली को सुधारने का कदम उठाइए। नेता प्रतिपक्ष ने यह बात मंगलवार को शून्यकाल में सदन में पेपरलीक प्रकरण पर बहस के दौरान कही।

गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि "हकीकत यह है कि पेपरलीक की घटनाएं रोकने में सरकार फेल है, पेपरलीक के डाकू तभी पकड़े जाते, जब गंभीरता से जांच होती। शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी.कल्ला ने केवल सतही जवाब दिया है। बाहर के राज्यों का नाम लेकर आप बच नहीं सकते। अब तो परीक्षा सिस्टम देखकर बोलने का मन नहीं करता, इसमें सुधार होगा, तभी बच्चों का भविष्य सुरक्षित रहेगा।"

उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने सदन में सरकार पर पेपरलीक मामले की जांच में पक्षपात करने का आरोप लगाया। राठौड़ ने कहा कि कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा के पेपरलीक हुए, वे स्कूल कांग्रेस नेताओं के थे, आज तक उन स्कूलों की मान्यता खत्म नहीं की। झोटवाड़ा की दिवाकर स्कूल का नाम कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा के पेपर लीक में आया था, उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं की। एस.आई. परीक्षा में जागृति स्कूल जयपुर के खिलाफ भी कार्रवाई नहीं की। यह स्कूल कांग्रेस नेता का है, इसलिए कार्रवाई नहीं की। इस तरह दोहरे मापदंड अपनाए जा रहे हैं। एंटी चीटिंग बिल के नाम पर कुछ लोगों पर कार्रवाई करना और कुछ को छोड़ देना, यह पक्षपात किया जा रहा है। इस सरकार को युवा की आह खा जाएगी।

राठौड़ ने कहा कि आप उत्तरप्रदेश की बात कर रहे थे, वहां पेपर लीक करने पर एनएसए लगता है, आप भी लगाओ। इस बार आरपीएससी से पेपर आउट हुआ है। आरपीएससी ही प्रश्न का सिलेक्शन करने वाला है। केवल आरपीएससी चेयरमैन को ही पता होता है कि पेपर कहां से प्रिंट होता है। कहीं बिल्ली को तो दूध की रखवाली करने का जिम्मा नहीं सौंप दिया।

उन्होंने कहा कि टेक्निकल हैल्पर की परीक्षा में एक ही सेंटर से 50 स्टूडेंट पास हुए। शिक्षक भर्ती का पेपर लीक करने वाला सुरेश ढाका और उसका साथी यूथ कांग्रेस के चुनाव में साइबर हैकिंग करके मुकेश भाकर को हरवाकर चहेते उम्मीदवार को चुनाव जितवाया था। ये तार तो कहीं के कहीं जुड़ रहे हैं।

विधानसभाध्यक्ष ने प्रतियोगी परीक्षाओं में तमिलनाडु पैटर्न अपनाने का सुझाव दिया

- विधानसभा में प्रतियोगी परीक्षाओं में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने का मुद्दा उठा

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज प्रतियोगी परीक्षाओं में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने का मामला उठा। इस पर विधानसभाध्यक्ष ने मंत्री बी.डी.कल्ला को तमिलनाडु पैटर्न अपनाने का सुझाव दिया। इसमें कहा गया हैं कि स्थानीय स्कूल कॉलेजों में अध्ययन किए हुए विद्यार्थी ही परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। इससे संविधान के प्रावधानों का भी उल्लंघन नहीं होगा और स्थानीय को लाभ मिल सकेगा।

प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक वासुदेव देवनानी के सवाल पर मंत्री कल्ला ने कहा कि राज्य की प्रतियोगी परीक्षाओं में राजस्थान की संस्कृति, इतिहास, भूगोल आदि से संबंधित करीब 30 से 40 प्रतिशत प्रश्न शामिल होते हैं, जिससे स्थानीय अभ्यर्थियों को भर्ती में लाभ मिल सके। कल्ला ने प्रश्नकाल के दौरान बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से साल 2012 से अब तक आयोजित परीक्षाओं में राज्य से बाहर के मात्र 1.05 प्रतिशत अभ्यर्थी तथा राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित परीक्षाओं में अब तक 0.90 प्रतिशत बाहर के अभ्यर्थी चयनित हुए हैं। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों को भर्तियों में आरक्षण देने के सम्बन्ध में कोई प्रावधान नहीं है।

डॉ. कल्ला ने कहा कि पंजाब, तमिलनाडु, गुजरात की स्थानीय भाषा मान्यता प्राप्त है, जबकि राजस्थान की भाषा मान्यता प्राप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्थानी भाषा को मान्यता के लिए प्रस्ताव विचाराधीन है। अभी तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

इससे पहले डॉ. कल्ला ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश की भर्तियों में स्थानीय प्रदेशवासियों के लिए अलग से आरक्षण का प्रावधान नहीं है। उन्होंने बताया कि राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को कुल भर्तियों में से 64 प्रतिशत पदों पर केवल राजस्थान के स्थानीय निवासियों से भरे जाने का प्रावधान है। इसके अलावा भूतपूर्व सैनिक जिनका आरक्षण क्षैतिज है, उनको भी स्थानीय निवासियों से भरे जाने का प्रावधान है।

वनडे में भी नं. 1 बना भारत

तीसरे मैच में न्यूजीलैंड को 90 रन से हराया

नई दिल्ली 24 जनवरी। इंदौर के होलकर मैदान पर भारत ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए 385/9 का स्कोर बनाया। गिल ने 78 गेंदों पर 112 रन बनाए जबकि रोहित ने 85 गेंदों पर 101 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा हार्दिक पंड्या ने भी अच्छी बैटिंग की। उन्होंने 38 गेंदों पर 54 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से जैकब डफी और ब्लेयर टिकनर ने 3-3 विकेट लिए। 26 ओवर में भारत का स्कोर बिना विकेट खोए 212 रन था। तभी रोहित आउट हुए। इसके कुछ देर बाद शुभमन गिल भी पवेलियन लौट गए। विराट कोहली (36), ईशान किशन (17) और सूर्यकुमार यादव (14) ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सके। हार्दिक और शार्दूल ठाकुर ने सातवें विकेट के लिए 54 रन जोड़कर भारत को फिर ट्रैक पर वापस लौटाया। यह वनडे क्रिकेट में भारत का न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टीम इंडिया ने इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर 8 मार्च 2009 को क्राइस्टचर्च में बनाया था। तब भारत ने 50 ओवर में 4 विकेट पर 392 रन बनाए थे।

पहला: रोहित शर्मा को ब्रेसवेल ने बोल्ड कर दिया।

दूसरा : गिल को ब्लेयर टेकनर ने कॉन्वे के हाथों कैच कराया।

तीसरा : ईशान किशन रनआउट हो गए।

चौथा : जैकब डफी की बॉल पर विराट कोहली वाइड मिडऑफ में खड़े फिन एलेन को कैच दे बैठे।

पांचवां : सूर्या जैकब की बॉल पर लॉन्ग ऑन पर कॉन्वे के हाथों कैच हुए।

छठा : टेकनर ने सुंदर को डेरिल मिचेल के हाथों कैच कराया।

सातवां : शार्दुल ठाकुर टेकनर की बॉल को विकेट के पीछे खेलना चाहते थे, लेकिन टॉम लैथम के हाथों कैच हुए।

आठवां : पंड्या डफी की बॉल पर कॉन्वे को कैच दे बैठे।

नौवां : आखिरी बॉल पर कुलदीप यादव रन आउट हुए।

रोहित-गिल ने दिलाई मजबूत शुरुआत

कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने टीम इंडिया को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों 157 गेंदों पर 212 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप की। रोहित ने अपने वनडे करियर का 30वां शतक बनाया। तो गिल ने छठी सेंचुरी पूरी की।

कप्तान रोहित के बल्ले से तीन साल बाद वनडे शतक आया है। तो गिल ने पिछले चार मैचों में तीसरी सेंचुरी जमाई है। 2019 के बाद से भारत के दोनों ओपनर्स ने शतक जमाए हैं। इससे पहले रोहित और राहुल ने ऐसा किया था।

बतौर फुलटाइम ओपनर रोहित के 10 साल पूरे

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने वनडे में बतौर फुलटाइम ओपनर 10 साल पूरे कर लिए हैं। वे पारी की शुरुआत करते हुए 55.93 के एवरेज और 92.71 के स्ट्राइक रेट से 7663 रन बना चुके हैं।

शमी-सिराज को आराम, मलिक-चहल को मौका

रोहित शर्मा ने अपनी टीम में दो बदलाव किए हैं। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज की जगह उमरान मलिक और चहल को मौका दिया गया है। वहीं, कीवी कप्तान टॉम लॉथम ने शिप्ले की जगह डफी को प्लेइंग में शामिल किया है।

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, उमरान मलिक, कुलदीप यादव और यजुवेंद्र चहल।

न्यूजीलैंड: ड्वेन कॉन्वे, फिन एलेन, हेनरी निकल्स, डेरिल मिचेल, टॉम लॉथम, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, लोकी फर्ग्युसन, जैकब डफी, मिचेल सेंटनर और ब्लेयर टेकनर।

धर्मशाला में भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट की तैयारियां

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा मैच 1 मार्च से

नई दिल्ली, 24 जनवरी। भारत और ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीमों के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट मैच एक मार्च से हिमाचल में धर्मशाला स्थित क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगा। इस मैदान पर खेला जाने वाला यह 20वां अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। इसके लिए हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। स्टेडियम में लगी चेयर की रिपेयर चल रही है। स्टेडियम को भी नया रूप दिया जा रहा है। धर्मशाला स्टेडियम देश का पहला ऐसा स्टेडियम है जहां बारिश होने की सूरत में महज 20 मिनट बाद मैच पुन: शुरू हो सकेगा। इसके लिए मई 2021 में पूरे स्टेडियम को खोदकर ठाउंड के नीचे नया ड्रेनेज सिस्टम बिछाया गया था। इस ड्रेनेज सिस्टम के लिए 12.50 किलोमीटर लम्बी पाइप लाइन बिछाई गई है। इसके अलावा मैदान के नीचे वाटर टैंक भी बनाया गया है। बारिश होने की सूरत में महज 20 मिनट के अंदर मैच शुरू के लिए तैयार किया जा सके, इसके लिए एचपीसीए ने यूरोपीय तकनीक सब-एयर के तहत स्टेडियम को तैयार कर दिया है। यूरोप की इस तकनीक को इससे पहले भारत के बंगलुरु स्टेडियम में भी अपनाया गया है। धर्मशाला स्टेडियम देश का पहला क्रिकेट स्टेडियम है जहां बरमूडा की नई किस्म की घास लगाई जा रही है। पसप्लम नामक यह घास गर्मी और सर्दी के मौसम में अलग-अलग रंग में नजर आएगी। मैच के दौरान खिलाड़ियों को इस पर दौड़ लगाने में आसानी होगी। इस घास की सबसे बड़ी खासियत है कि लगाने के बाद इसे 8 साल तक बदलना नहीं पड़ता। धर्मशाला स्टेडियम में नई आउट फील्ड का निर्माण कर रही कंपनी ही इस नई किस्म की बरमूडा घास का बीज मैदान में लगा रही है। करीब 3 महीने में पूरा मैदान नए रूप में नजर आएगा। धर्मशाला स्टेडियम में रणजी मैच बहुत पहले से खेले जाते रहे हैं लेकिन यहां 2013 में पहला अंतरराष्ट्रीय मैच हुआ। 27 जनवरी 2013 को यहां भारत और इंग्लैंड के बीच 1 दिवसीय मैच खेला गया था। अब तक यहां 19 अंतरराष्ट्रीय मैच और के 2 सीजन खेले जा चुके हैं। 19 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 14 टी-20, चार एक दिवसीय और एक टेस्ट मैच शामिल है। धर्मशाला में भारतीय टीम ने चार वनडे, पांच टी-20 और एक टेस्ट मैच खेला है। इनमें दो टी-20 मैच बारिश के कारण धुल गए जबकि नौ टी-20 मैच अन्य देशों की टीमों के बीच खेले गए। सचिव अवनीश ने बताया कि धर्मशाला में अब तक टी-20, वनडे और टेस्ट मैच को मिलाकर 19 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले गए हैं। इनमें भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच एक टेस्ट मैच भी शामिल है। जबकि दूसरा टेस्ट मैच एक मार्च से भारत-आस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2010 से 2013 तक के 9 मैच भी खेले जा चुके हैं।

सानिया-बोपन्ना की जोड़ी ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, 24 जनवरी। आखिरी ग्रैंड स्लैम खेली रहीं भारतीय स्टार सानिया मिर्जा और रोहन बोपन्ना की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन की मिक्स्ड कैटेगरी के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारतीय जोड़ी को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में स्पेन के वेगा हर्नांडेज और लाटविया के जेनेना ओस्तापेंको ने वॉकओवर दिया। सेमीफाइनल मुकाबला 26 जनवरी को होगा।

भारतीय जोड़ी ने प्री क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उरुग्वे के एरियल बेहर और माकोटो निनोमिया की जोड़ी 6-4 7-6 से हरा कर क्वार्टरफाईनल में प्रवेश किया था। एक घंटे 17 मिनट चले इस मुकाबले के पहले सेट में भारतीय हावी रहे थे। उसके बाद उरुग्वे-जापानी जोड़ी ने कमाल की चुनौती पेश की, हालांकि यह जोड़ी मुकाबले को आखिरी सेट तक नहीं ले सकी।

बोपन्ना-मिर्जा ने 6 साल पहले 2017 में फ्रेंच ओपन का मिक्स्ड डबल्स खिताब जीता था। साल के पहले ग्रैंड स्लैम की बात करें तो ऑस्ट्रेलियन ओपन में मिर्जा महेश भूपति के साथ 2009 में चैंपियन बनी थीं। मिर्जा-बोपन्ना ने पहला सेट आसानी से जीता था भारतीय जोड़ी ने राउंड ऑफ 16 के इस मुकाबले का पहला सेट आसानी से जीत लिया। इसका स्कोर 6-4 रहा। दूसरे सेट में उरुग्वे-जापानी जोड़ी ने मिर्जा-बोपन्ना को जबर्दस्त चुनौती दी। मुकाबला टाइब्रेकर तक गया, हालांकि जीत भारतीयों के पक्ष में रही। इसका स्कोर 7(11)-6 (9) रहा। रियो ओलिंपिक की सेमीफाइनलिस्ट भारतीय जोड़ी ने दो दिन पहले वाइल्ड कार्ड एंट्री प्राप्त ऑस्ट्रेलिया की जैमी फोरलिस और ल्यूक सैविल को एक घंटे 14 मिनट में 7-5, 6-3 से हराया था।

साल के पहले ठौंड स्लैम के 7वें दिन भारतीय स्टार सानिया मिर्जा अपनी जोड़ीदार एना डानिलिना के साथ दूसरे दौर में उलटफेर का शिकार हुई। भारत-कजाख की 8वीं सीड जोड़ी को बेल्जियम की एलिसन वान उइतवैंक और यूक्रेन की एनहेलिना कलिनिना की गैरवरीय जोड़ी ने 4-6, 6-4, 2-6 से हराया। यह मुकाबला करीब 2 घंटे तक चला। सानिया मिर्जा और एना डेनिलिना ने डालमा गल्फी और बर्नार्डा पेरा की हंगरी-अमेरिकी जोड़ी को हराकर महिला युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया था।

मेंस वनडे टीम ऑफ द ईयर में 2 भारतीय

नई दिल्ली, 24 जनवरी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने साल 2022 की मेंस और विमेंस वनडे टीम ऑफ द ईयर का ऐलान कर दिया है। मेंस टीम में दो और विमेंस टीम में तीन भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है। मिडिल ऑर्डर बैटर श्रेयस अय्यर और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज मेंस टीम में शामिल किए हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम को टीम का कप्तान चुना गया है। विमेंस टीम में भारत की स्मृति मंधना, रेणुका सिंह और हरमनप्रीत कौर को जगह मिली है। हरमनप्रीत को टीम का कप्तान बनाया गया है। इन टीमों का चयन 2022 में वनडे के प्रदर्शन के आधार पर किया है।

रणजी में वापसी कर विकेटरहित रहे जडेजा

चेन्नई, 24 जनवरी। चोट से उबर कर करीब छह महीने बाद रणजी ट्रॉफी के जरिये क्रिकेट के मैदान पर वापसी कर रहे भारत के हरफनमौला खिलाड़ी रवीन्द्र जडेजा मंगलवार को तमिलनाडु के खिलाफ एलीट ग्रुप-बी मुकाबले में कोई विकेट नहीं ले सके। एमए चिदंबरम स्टेडियम पर चार दिवसीय मैच के पहले दिन तमिलनाडु ने सौराष्ट्र के खिलाफ पहली पारी में चार विकेट खोकर 183 रन बना लिये। सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन और बाबा अपराजित 45-45 रन बनाकर आउट हो गये, जबकि बाबा इंद्रजीत 45 रन के स्कोर पर नाबाद हैं।

सौराष्ट्र के लिये चिरागा जानी ने दो विकेट लिये जबकि युवराजसिंह डोडिया और धर्मेंद्रसिंह जडेजा ने एक-एक विकेट लिया। रवींद्र जडेजा ने आज 17 ओवर गेंदबाजी की और दो मेडन ओवर के साथ 36 रन खर्च किये, हालांकि वह कोई सफलता हासिल नहीं कर सके।

तेजतर्रार क्षेत्ररक्षक जडेजा पिछले साल अगस्त में एशिया कप के दौरान चोटिल होने के बाद से बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब से गुजर रहे थे। भारत को नौ फरवरी से शुरू होने वाली चार मैचों की टेस्ट शृंखला में ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है, जहां जडेजा की उपस्थिति भारतीय टीम के लिये महत्वपूर्ण होगी।

एनसीए ने जडेजा को मैदान पर उतरने के लिये फिट घोषित कर दिया था, हालांकि बीसीसीआई ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पटल पर लाने से पूर्व रणजी ट्रॉफी में उनकी फिटनेस का आंकलन करना बेहतर समझा। खेल के मैदान पर वापसी से उत्साहित जडेजा ने मैच से पूर्व कहा था कि उन्हें मैदान पर लौटना अच्छा लग रहा है। उन्होंने अपनी वापसी से टीम को फायदा होने की उम्मीद जताई थी, हालांकि उनकी प्राथमिकता अपना शत प्रतिशत देने के साथ-साथ मैदान पर फिट बने रहना होगा।

चेन्नई में जडेजा का प्रदर्शन उनकी भारतीय टीम में वापसी के दावे को पुख्ता करने में मदद करेगा। जडेजा ने अब तक अपने टेस्ट करियर में 60 मैच खेलकर 36.57 की औसत से 2523 रन बनाये हैं,

ऑस्ट्रेलिया ने स्पेन पर रोमांचक जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में कदम रखा

भुवनेश्वर, 24 जनवरी। तीन बार की हॉकी विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने अपने चौथे खिताब की ओर कदम बढ़ाते हुए मंगलवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के रोमांचक क्वार्टरफाइनल मुकाबले में स्पेन को 4-3 से मात दी। कलिंगा स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में जेरेमी हेवर्ड (32वां, 36वां) ने विजेता टीम के लिये दो गोल किये, जबकि फ्लिन ओगिल्वी (29वां) और एरन ज़लेउस्की (31वां) ने एक-एक गोल किया। स्पेन के गोल ज़ेवियर गिस्पर्ट (19वां), मार्क रेकैसन्स (23वां) और मार्क मिरालेस (40वां मिनट) ने किये।

मोहम्मद शमी को पत्नी को गुजारा भत्ता देने का आदेश

हर महीने 1 लाख 30 हजार रुपए देने होंगे, दोनों 2018 से अलग रह रहे हैं

नई दिल्ली, 24 जनवरी। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को उनकी पत्नी हसीन जहां को हर महीने गुजारा भत्ता देना होगा। कोलकाता के लोअर कोर्ट ने सोमवार को यह आदेश सुनाया। यह राशि 1 लाख 30 हजार रुपए होगी। इसमें 50 हजार रुपए हसीन जहां को और 80 हजार रुपए उनकी बेटी के खर्चे के शामिल हैं। दोनों 2018 से अलग-अलग रह रहे हैं और तलाक का केस चल रहा है।

हसीन जहां ने 2018 में 10 लाख रुपए के मासिक गुजारा भत्ता की मांग करते हुए अदालत में एक मुकदमा दायर किया था। इसमें 7 लाख रुपए उनका व्यक्तिगत गुजारा भत्ता और 3 लाख बेटी के भरण पोषण का खर्च था। हसीन जहां की शमी से मुलाकात साल 2011 में हुई। उस दौरान वे टीम कोलकाता नाईट राइडर्स के लिए चीयरलीडिंग करती थी। दोनों की शादी साल 2014 में हुई। हसीन जहां ने शादी के बाद मॉडलिंग और एक्टिंग छोड़ दी थी। जहां ने 2018 में शमी पर घरेलू हिंसा और मैच फिक्सिंग सहित कई आरोप लगाए थे। इसके बाद से दोनों अलग-अलग रहने लगे और तभी से तलाक का केस चल रहा है। 2018 में हसीन जहां ने फिर से अपने प्रोफेशन में कदम रखा।

हसीन की वकील मृगांका मिस्त्री ने अदालत को बताया कि 2020-21 में शमी की सालाना आय 7 करोड़ रुपए थी। उसी के आधार पर गुजारा भत्ता की मांग की गई। इनकी दलील थी कि 10 लाख रुपए गुजारा भत्ता अनुचित नहीं है। अपील में शमी के आयकर रिटर्न का हवाला भी दिया गया। इस पर शमी के वकील सेलिम रहमान ने दावा किया कि हसीन जहां खुद एक पेशेवर फैशन मॉडल हैं। वे खुद कमा रही हैं। इसलिए इतना गुजारा भत्ता ठीक नहीं है। मार्च 2018 में जब शमी की हसीन जहां ने उन पर घरेलू हिंसा और मैच फिक्सिंग का आरोप लगाया था, तब ने शमी का कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर दिया था। जांच में शमी निर्दोष पाए गए थे।

मात्र चार साल में पेपर लीक की 16-17 घटनाएं, आखिर दोषी कौन है?

विधानसभा में विपक्षी दलों के और सदन के बाहर अपनों के निशाने पर गहलोत सरकार

- मुख्यमंत्री गहलोत द्वारा पेपर लीक मामले में सरकारी अधिकारियों व मंत्रियों को क्लीन चिट देने का हर ओर से भारी विरोध हो रहा है।
- पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट कह ही चुके हैं कि, जब कोई दोषी नहीं तो पेपर तिजोरी से बाहर कैसे आए। कांग्रेस के ही हरीश चौधरी ने भी कह दिया है कि, इन मामलों की सी.बी.आई. जांच कराई जाए।
- भाजपा के राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने सरकार के सामने कई सबूत रख दिए और अब वे सड़कों पर भी उतर आए हैं।
- पेपर लीक के कारण परीक्षाएं रद्द होने से युवा वर्ग में भारी नाराजगी है, जो चुनावी वर्ष में कांग्रेस को भारी पड़ सकती है।

जयपुर, 24 जनवरी (का.प्र.)। राजस्थान में पेपर लीक और नकल के प्रकरण को लेकर सरकार पूरी तरह से घिर गई है। विधानसभा में भाजपा और आरएलपी सदस्यों ने बजट सत्र शुरू होने के साथ ही सरकार की नाक में दम कर दिया है। वहीं सड़क पर भाजपा के राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने सरकार के खिलाफ ताल ठोक दी है। ऐसे में चुनावी वर्ष में सरकार के लिए पेपर लीक कांड से बाहर निकलना सबसे मुश्किल काम हो गया है। पिछले दिनों सरकार के चिंतन शिविर में मंत्रियों तक ने खुलकर कहा था कि पेपर लीक का मुद्दा सरकार के सारे कामों पर पानी फेर देगा।

दरअसल राजस्थान में पहली बार ऐसा हुआ है कि 4 साल के दौरान ही पेपर लीक की 16 से 17 घटनाएं सामने आई हैं। ना केवल युवाओं में भारी रोष है, बल्कि विपक्षी दलों को भी सरकार पर निशाना साधने का मौका मिल गया है। एक के बाद एक पेपर लीक होने और इस वजह से परीक्षाएं रद्द करने के बावजूद भी सरकार इन घटनाओं पर अंकुश नहीं लगा पा रही है, उलटे अधिकारियों को क्लीनचिट देने और विपक्ष को गलत ठहराने में जुटी हुई है।

खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कहते हैं कि पेपर लीक में कोई नेता और अधिकारी शामिल नहीं है। कांग्रेस के ही वरिष्ठ नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने इस पर आक्रामक तेवर अख्तियार करते हुए कहा, जब कोई नेता या अधिकारी शामिल नहीं है, तो पेपर तिजोरी से बाहर कैसे आए। बजट सत्र के दूसरे दिन कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी, जो पहले से ही मुख्यमंत्री से कई मसलों पर नाराजगी जताते रहे हैं, उन्होंने भी कहा है कि राजस्थान में पेपर लीक और नकल के मामलों की जांच निष्पक्ष और स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए। यह कहकर एक तरह से उन्होंने राजस्थान की, जो एजेंसियां जांच कर रही है उन पर अविश्वास जता दिया है।

पेपर लीक और नकल के मामलों में अब तक भाजपा नेता और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आर.एल.पी.) नेता हनुमान बेनीवाल ही सरकार पर सवाल उठा रहे थे, लेकिन पिछले दिनों जब सचिन पायलट ने पेपर लीक की घटनाओं को लेकर सरकार पर सवाल उठाए, तो सरकार की मुश्किले बढ़ गईं। दरअसल सरकार की समस्या यह है कि इस चुनावी वर्ष में बजट सत्र के बाद सरकार को चुनावी तैयारियों में उतरना है और इधर एक के बाद एक हुई 16 से 17 पेपर लीक घटनाएं होने के बाद युवाओं की सरकार से भारी नाराजगी है।

मुद्दा यह है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कह रहे हैं कि कोई भी अधिकारी और नेता पेपर लीक प्रकरण में शामिल नहीं है। ऐसे में यह सवाल पूछा जा रहा है कि जब कोई शामिल ही नहीं है तो रीट पेपर लीक मामले में डीपी जारोली को बर्खास्त क्यों किया गया और अगर दोषी होने के लिए बर्खास्त किया गया तो उन्हें कानूनी तौर पर गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया?

सदन में विपक्ष पेपर लीक कांड पर हंगामा कर रहा है और सी.बी.आई. जांच की मांग कर रहा है जिसे सरकार ने ठुकरा दिया है कि मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए। सरकार सदन में तो किसी भी तरह से विपक्ष को जवाब देकर चुप करा सकती है, लेकिन सदन के बाहर भाजपा के राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा एक के बाद एक सबूत सरकार के सामने रख रहे हैं और युवाओं को साथ लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने दौसा से लेकर जयपुर तक पेपर लीक प्रकरण मामले को लेकर प्रदर्शन किया। जिसमें भारी भीड़ स्पष्ट है कि इस मसले को लेकर चुनावी वर्ष में ना तो भाजपा चुप्पी साधने वाली है और ना आरएलपी और अन्य दल। सरकार के बचाव में यह तर्क भी दिया जा रहा है कि केंद्र की परीक्षाओं और भाजपा सरकार के समय भी पेपर लीक हुए थे, लेकिन इससे यह सरकार पेपर लीक की 16-17 घटनाओं से पल्ला नहीं झाड़ सकती।

पिछले दिनों पेपर लीक प्रकरण के आरोपी के कोचिंग सेंटर और मकान पर सरकार ने भारी तोड़फोड़ की, लेकिन पेपर लीक के मुख्य आरोपियों को सरकार की नाक के नीचे से फरार हो जाना बड़े सवाल खड़े करता है। राज्य की जांच एजेंसिया अब तक इन आरोपियों तक पहुंचने में असफल रही हैं। इस सबके बाद भी सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है और कह रही है कि उन्होंने तीन लाख से ज्यादा नौकरियां दी हैं, इसलिए भाजपा को यह बात रास नहीं आ रही है।

दूसरी ओर एक के बाद एक युवा संगठनों की ओर से सड़कों पर किया जाने वाला प्रदर्शन बता रहा है कि सरकार की ओर से युवाओं से किए वादे आज भी अधूरे हैं। अब देखने वाली बात यह होगी कि युवाओं के निशाने पर आ चुकी राज्य सरकार किस तरह से अपना दामन बचाती है।

'पेपर लीक मामले में सी.एम. द्वारा अफसरों को क्लीन चिट देना गलत'

पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने मुख्यमंत्री गहलोत की कार्यशैली पर सवाल उठाए

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर, 24 जनवरी। शिक्षक भर्ती पेपर लीक मामले में अधिकारियों को क्लीन चिट देने वाले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को कांग्रेस के ही पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ विधायक हरीश चौधरी ने गलत ठहराया है।

उन्होंने मुख्यमंत्री की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए साफ कहा कि जांच पूरी हुए बिना ही अधिकारियों को क्लीन चिट देना गलत है। पेपर लीक होना बहुत बड़ा विषय है। किसी को भी क्लीन चिट नहीं देनी चाहिए, क्योंकि फिलहाल जांच जारी है।

- हरीश चौधरी ने कहा कि "पेपर लीक होना बहुत बड़ा विषय है। बिना जांच पूरी हुए किसी को भी क्लीन चिट नहीं देनी चाहिए।"

हरीश चौधरी ने मंगलवार को सदन के भीतर भी विपक्ष द्वारा उठाई जा रही पेपरलीक की सीबीआई जांच की मांग का समर्थन भी किया। उन्होंने कहा कि पेपरलीक गंभीर मसला है, युवाओं के भविष्य का सवाल है। पेपरलीक काण्ड में कोई भी दोषी हो, चाहे सरकारी कर्माचरी, उद्योगपति, अधिकारी या सामान्य नागरिक। सरकार को उसकी पृष्ठभूमि को देखे बिना कार्रवाई करनी चाहिए। अभी पेपरलीक मुख्य मुद्दा है, लेकिन उस पर बहस ना होना ठीक नहीं है।

हमें विचार करना होगा कि परीक्षा पद्धति कैसे मजबूत बने, जिसमें पेपर लीक न हो। जिन लोगों ने पेपर आउट किया, उनमें भी सिर्फ चंद लोग हाथ लगे हैं, मुख्य आरोपी और उनके संरक्षकों को पकड़ने की जरूरत है।

छात्र संगठन बी.बी.सी. की डॉक्युमैंटरी की पूरे केरल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्क्रीनिंग की अनुमति नहीं देनी चाहिए। यह एक राष्ट्र विरोधी कदम है तथा मुख्यमंत्री को इस मामले में दखल देकर स्क्रीनिंग रोकनी चाहिए। स्क्रीनिंग का मतलब होगा विदेशी ताकतों को भारत की एकता और अखंडता पर हमला करने का मौका देना।

मुरलीधरन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले उन आरोपों को खारिज कर चुका है जो डॉक्युमैन्ट्री में लगाए गए है। इन आरोपों का फिर से सार्वजनिक बहस में लाना सुप्रीम कोर्ट की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने जैसे यह नफरत को बढ़ावा देगा।" केन्द्रीय मंत्री ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि तुरंत प्रभावी कदम उठाए जाएं।

केरल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के. सुरेन्द्रन ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से हस्तक्षेप करने और स्क्रीनिंग की अनुमति नहीं देने को कहा। उन्होंने कहा कि यह कदम "राजद्रोह" के समान है और डॉक्युमैंट्री का प्रदर्शन देश की एकता व अखंडता को खतरे में डाल रहे विदेशी प्रयासों का बढ़ावा देना होगा। केन्द्रीय सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने बी.बी.सी. "डॉक्युमैंट्री" "दुष्प्रचार" कह कर खारिज कर दिया और कहा कि बी.बी.सी. ने भारत में यह डॉक्युमैंट्री उपलब्ध नहीं करवाई थी, लेकिन यू-ट्यूब पर यह अवश्य कुछ समय के लिए उपलब्ध थी।

'हम चलते...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण मामलों की जांच की। कई बार उन्हें जांच के दौरान राजनीतिक हस्तक्षेप का सामना करना पड़ा, लेकिन निर्भिक राजेन्द्र शेखर अपने कार्य में किसी प्रकार का हस्तक्षेप नापंसद करते थे।

बोफोर्स मामला जब अपने परवान पर था, उस समय राजेन्द्र शेखर सी.बी.आई. के प्रमुख या डायरेक्टर थे। कांग्रेस सरकार के राज में राजीव गांधी पर बोफोर्स निर्माता से 64 करोड़ रू. की रिश्वत लेने का आरोप लगा था। कैबिनेट सैक्रेटरी विनोद पाण्डे, जो राजस्थान काडर के ही आई.ए.एस. थे ने एक उच्च पदस्थ बैठक बुलाई। रक्षा सचिव नरेश चन्द्र, जो राजस्थान काडर के ही आई.ए.एस. थे, और एक और सचिव पी. दण्डपाणी तथा भूरेलाल और राजेन्द्र शेखर के साथ गहन मंथन कर रहे थे।

इस बैठक में पूरे मामले को संदेहपूर्ण माना गया और बोफोर्स पर भारत सरकार से गैर वाबिज ढंग से धोखाधड़ी करने का आरोप लगा।

तब विश्वनाथ प्रताप सिंह प्रधानमंत्री थे और उन्होंने साफ-साफ कह दिया कि सरकार इस रिश्वतखोरी में जो कोई भी लिप्त रहा हो, वह चाहे कितना बड़ा भी क्यों न हो, को नहीं छोड़ेगी। इन सब घोषणाओं से कांग्रेस, जो विपक्ष में थी, हिल चुकी थी।

जब बोफोर्स काण्ड की जांच सी.बी.आई. ने शुरू ही की थी तब मोहन कातरे सी.बी.आई. के निदेशक थे। कातरे पर जनता दल की सरकार का भरोसा नहीं था। कातरे को हटाकर राजेन्द्र शेखर को निदेशक लगाया गया था।

बोफोर्स का विवाद लम्बा चला और कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। आरोप-प्रत्यारोपण के बीच ही समय निकल गया। वी.पी. सिंह ने जिस मजबूती से मामला उठाया उसे कोई दिशा या मंजिल नहीं दिखा सके। इस बीच उनकी सरकार गिर गई और चन्द्रशेखर के नेतृत्व में दिल्ली में नई सरकार बन गई। चन्द्रशेखर ने कुर्सी संभालते ही राजेन्द्र शेखर और एक वरिष्ठ आई.ए.एस. राजीव लोचन मिश्रा, जो राजस्थान से ही थे, को वापस राजस्थान भेजा। तब भैरोंसिंह शेखावत मुख्यमंत्री थे और वह भी इन दोनों अधिकारियों को वापस राज्य में ही लाना चाहते थे।

राजेन्द्र शेखर खुशी-खुशी सी.बी.आई. का पद छोड़ आए। राजीव लोचन भी वापस आ गए। राजेन्द्र शेखर सी.बी.आई. जैसे महत्वपूर्ण पद के निदेशक रह चुकने के बाद राजस्थान पुलिस के महानिदेशक बन गए। लेकिन उन्होंने कभी इसे पदावनति नहीं माना।

पूर्व जन संपर्क अधिकारी लक्ष्मण बोलिया, जो लम्बे समय पुलिस मुख्यालय में प्रतिनियुक्ति में रहे स्वर्गीय शेखर को याद करते हुए कहते हैं: शेखर साहब नवाचार पसंद करते थे। सन्1992 में उन्हीं की सोच के कारण राजस्थान पुलिस दिवस की शुरूआत हुई और तत्कालीन राज्यपाल डॉ. चेन्ना रेड्डी के हाथों पुलिस को सशस्त्र सेना की ही तरह ध्वज दिलाया गया। इससे पूर्व, 30 मार्च 1954 को प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने राजस्थान पुलिस को कलर (ध्वज) भेंट किया था।

शेखर साहब ने पुलिस का ध्येय वाक्य भी बदलकर "सेवार्थ कटिबद्धता" रखा और राजस्थान पुलिस पर एक फिल्म "सेवार्थ कटिबद्धता" बनवाई।

लक्ष्मण बोलिया बताते हैं कि, स्वर्गीय शेखर ने अपने जीवन संघर्ष पर, "नॉट ए लाइसेंस टु किल" डिजाइनिंग मोमेन्ट्स, अनकेज्ड पैरट, मेमोरीज़ आर मेड ऑफ दिस तथा हिन्दी में कल, आज और कल पुस्तकें लिखीं।

उन्होंने अपनी पुस्तक के अंतिम पृष्ठ पर "और जाते जाते" उप शीर्षक में प्रसिद्ध गायक और अभिनेता किशोर कुमार के गाये गीत "चलते-चलते" का जिक्र करते हुए अभिलाषा व्यक्त की थी कि, उनकी मृत्यु पसंदीदा कार्य स्थली पर ऐसे ही चलते-चलते हो जाए। उन्होंने महात्मा गांधी की बिड़ला हाउस में प्रार्थना करते हुए और पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. कलाम की इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में भाषण देते हुए मृत्यु का हवाला देते हुए लिखा, "वे दोनों महान आत्माएं थीं, लेकिन हमारे जैसे सामान्य प्राणियों के लिए अनुमानत: चुनिन्दा यही हो सकता है कि, हम चलते-चलते ही चल बसें।"

राजेन्द्र शेखर के निधन पर भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने शोक व्यक्त किया है।

मेहता ने कहा कि, स्वर्गीय राजेन्द्र शेखर भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) की कार्यकारिणी के सदस्य थे और वह दिव्यांगों के पुनर्वास के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। मेहता ने कहा कि, कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में उनके सुझाव हमेशा अमूल्य होते थे। एक योग्य लेखक भी थे।

मेहता ने कहा कि, पुलिस में पूरी निष्ठा और ईमानदारी दिखाते हुए उन्होंने अपने पद की गरिमा के अनुरूप कार्य किया और इस कारण उन्हें आज भी याद किया जाता है। मेहता ने कहा कि, पुलिस सेवा ने एक निष्ठावान व्यक्ति खो दिया है, वे आदर्श पुरूष थे।

दिल्ली के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की नई तारीख तक के लिए सदन को स्थगित कर दिया। नगर निगम द्वारा प्रथम मेयर व डिप्टी मेयर के चुनाव का यह दूसरा प्रयास था। आम आदमी पार्टी (आप), जिसे चुनाव में बहुमत मिला था, ने शैली ओबरॉय तथा आले मोहम्मद इकबाल को क्रमश: मेयर तथा डिप्टी मेयर के पद के लिए अपने प्रत्याशी के रूप में उतारा था। भाजपा की तरफ से रेखा गुप्ता मेयर तथा कमल बागरी डिप्टी मेयर के पद के लिए मैदान में हैं। छ: जनवरी को इसी तरह के हंगामे के कारण चुनाव स्थगित करना पड़ा था। मार्शल्स जब स्थिति को काबू करने में असफल रहे तो पीठासीन अधिकारी सत्य शर्मा ने चुनाव को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया।

एक वीडियो शेयर करते हुए, आप प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा: "आज भाजपा डंडे लेकर नगर निगम पर कब्जा करने आई थी। क्या आपने किसी सदन में ऐसा देखा है?" उन्होंने कहा, "भाजपा तीनों नगर निगमों में सत्ता में थी, गत चुनावों में आप से हार गई थी, फिर भी वो अपनी हार स्वीकार करने को तैयार नहीं है।"

राहुल गांधी ने सार्वजनिक मंच से दिग्विजय सिंह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"इसलिये, मेरा मानना है कि बातचीत या संवाद बहुत महत्वपूर्ण होता है। हर बातचीत में ऐसे भी लोग होते ही हैं, जो हास्यास्पद बात कह देते हैं तथा इस मामले में मुझे बड़ा दुख है कि मुझे एक वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के बारे में ऐसा कहना पड़ रहा है कि उन्होंने एक बेतुकी बात कही है।"

उन्होंने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता (आज़ाद) के साथ चले गये 90 प्रतिशत लोग कांग्रेस में वापस आ गये है तथा आज़ाद अकेले रह गये हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उन पर किये गये प्रहार को लेकर राहुल ने कहा कि वे ऐसा नहीं मानते कि राजनाथ जी अपने निजी विचार व्यक्त कर रहे थे। "वे एक ऐसी पार्टी में हैं, जहाँ शीर्ष नेतृत्व उन्हें बताता है कि उन्हें क्या कहना है। मेरे ख्याल से, उनकी कोई पसंद-नापसंद नहीं है। उनका बयान उन आदेशों का परिणाम है, जो भाजपा का सर्वोच्च नेतृत्व उन्हें देता है।" राहुल, राजनाथ सिंह की इस टिप्पणी का जिक्र कर रहे थे कि भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य नफरत फैलाना है तथा कांग्रेस विदेश में भी भारत को बदनाम कर रही है।

राहुल ने कहा कि उनकी यात्रा का लक्ष्य राष्ट्र को संगठित करना तथा द्वेष के उस माहौल को समाप्त करना है, जो भाजपा और आर.एस.एस. ने इस देश में तथा जम्मू-कश्मीर में भी फैलाया है। उन्होंने सवाल किया कि पूरे देश में गई यह यात्रा, जो देश की जनता को एक कर रही है तथा नजदीक ला रही है, भारत के हितों को नुकसान कैसे पहुँचा सकती है।

राहुल ने कहा, "मैं देख सकता हूँ कि राजनाथ सिंह जी की पार्टी द्वारा फैलाई जा रही नफरत और हिंसा देश को किस तरह नुकसान पहुँचा रही है। मैं देख सकता हूँ कि भारत को धर्मों में, जातियों में, लिंगों में बाँटना देश को किस तरह नुकसान पहुँचा रहा है। अगर आप विदेशों के सारे अखबारों पर नजर डालें तथा आपको इस काम के लिये कुछ समय देना ही चाहिये, तो आप पायेंगे कि वे सब यह प्रश्न कर रहे हैं कि भारत के परम्परागत मूल्यों को क्या हो गया है, भारत के भाईचारे को क्या हो गया है, मौजूदा सरकार के दौर में भारत की ताकत को क्या हो गया है। इस प्रकार (भारत की) बदनामी तो भाजपा और आर.एस.एस. की विचारधारा कर रही है।"उन्होंने कहा कि महँगाई आसमान छू रही है तथा बेरोजगारी बढ़ रही है क्योंकि देश का धन मुट्ठीभर लोगों के पास इकट्ठा हो गया है। उन्होंने माँग की कि जम्मू-कश्मीर को यथाशीघ्र राज्य का दर्जा दिया जाए तथा राज्य विधानसभा बहाल की जाये, जिससे जनता को एक प्रखर लोकतांत्रिक व्यवस्था पुन: प्राप्त हो सके।

दुर्गापुरा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसमें से करीब 71 हजार रुपए जमा कराए जा चुके हैं। इसके बावजूद भी स्कूल प्रशासन ने अवैध तरीके से इस राशि को पिछले सत्र की फीस में समायोजित कर लिया। छात्रा की ओर से प्रताड़ना की जानकारी मिलने पर याचिकाकर्ता के पिता उसके स्कूल गए, लेकिन प्रिंसिपल ने उनकी भी बेइज्जती की और रिकवरी एजेंट की तरह व्यवहार करते हुए उनका मोबाइल छीन लिया। वहीं प्रिंसिपल की शिकायत पर उन्हें एक दिन पुलिस अभिरक्षा में भी रहना पड़ा। याचिका में यह भी कहा गया कि उसने बाल आयोग और शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों में स्कूल प्रशासन की शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके अलावा स्कूल प्रशासन ने छात्रा को न तो प्री-बोर्ड परीक्षा में शामिल किया और ना ही उसे प्रायोगिक परीक्षा में शामिल कर रहे हैं। प्री-बोर्ड परीक्षा के 25 फीसदी अंकों को ग्रेडिंग देने में शामिल किया जाता है। अब उसे कक्षा में भी नहीं बैठने दिया जा रहा। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों व स्कूल प्रशासन को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

'पॉक्सो के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वह केस कब से पेंडिंग है।

एक साल से ज्यादा पुराने पॉक्सो के पेंडिंग केसों की फाइल पर येलो फ्लैग लगाना होगा और फाइल के राइट हैंड साइड येलो फ्लैग केस लिखना होगा। वहीं दो साल से ज्यादा पुराने पॉक्सो केस की फाइल पर ऑरेंज फ्लैग लगाना होगा और उसकी फाइल पर भी ऑरेंज फ्लैग केस लिखना होगा। जबकि तीन साल से ज्यादा पुराने पॉक्सो केसों में लाल फ्लैग लगाना होगा और फाइल पर रेड फ्लैग केस लिखा जाएगा। इसके अलावा पॉक्सो कोर्ट को पेंडिंग केस के पूरे विवरण के लिए एक रजिस्टर भी तैयार करने के लिए कहा है।

हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल चन्द्र प्रकाश श्रीमाली ने प्रदेश के सभी जिला व सेशन न्यायाधीश को कहा है कि, वे इस आदेश की जानकारी सभी पॉक्सो कोर्ट को दें। हाईकोर्ट प्रशासन ने कहा है कि जो केस ज्यादा समय से लंबित हैं, उनका निस्तारण जल्द करने पर ध्यान देना जरूरी है।

रिजिजू ने भारी आपत्ति जताई सुप्रीम....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पारित कर दिया था। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने 2015 में उक्त नैशनल जुडिशियल अपॉइन्टमैंट एक्ट रद्द कर दिया था।

इस पूरे मुद्दे ने उस समय एक नया आयाम ग्रहण कर लिया, जब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शुद्ध रूप से सरकार के वकील की भूमिका निभाते हुये, इस लड़ाई में कूद पड़े। और उन्होंने एक प्रकार से "भारतीय संविधान के मूलभूत ढाँचे" के उस सिद्धान्त पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया, जो देश के न्यायशास्त्र की मार्गदर्शक भावभूमि के रूप में काम करता आ रहा है।

रिजीजू ने आज कहा कि वे "उचित समय पर अपनी प्रतिक्रिया देंगे", लेकिन उन्होंने अपना दृष्टिकोण तो स्पष्ट कर ही दिया।

कानून मंत्री ने पत्रकारों को बताया, "रॉ तथा आई.बी. की गोपनीय तथा संवेदनशील रिपोर्टों को सार्वजनिक कर देना घोर चिन्ता का विषय है, जिस पर मैं उचित समय पर अपनी प्रतिक्रिया दूँगा। आज का दिन (इसके लिये) उचित समय नहीं है।"

रिजीजू ने कहा, अगर संबंधित अधिकारी जो किसी संवेदनशील स्थान पर वेश बदल कर देश के लिए काम कर रहा है तो अपनी रिपोर्ट को सार्वजनिक करने से पहले वह दो बार सोचेगा क्योंकि ऐसा करने के गंभीर नतीजे हो सकते है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वे चीफ जस्टिस से इस बारे में बात करेंगे तो उन्होंने कहा सी.जे.आई. से मेरी अक्सर मुलाकात होती रहती है। वे न्यायपालिका के प्रमुख है और ये सरकार व न्यायपालिका के बीच पुल का काम करते है। हमें साथ शामिल कर काम करना है। हम अलग-अलग काम नहीं कर सकते। यह एक विवादास्पद मसला जिस पर किसी और दिन बात करेंगे।

19 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने अपने उन पत्रों को सार्वजनिक कर दिया जिसमें तीन जजों की पदोन्नति पर सरकार की आपत्ति का विरोध किया गया था। इन तीन प्रत्याशियों में से एक वकील है जिसने अपने समलैंगिक होने की घोषणा की थी।

इस रहस्योद्घाटन से सुरक्षा संस्थापन में बेचैनी देखी गई क्योंकि यह परम्परा रही है कि हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जिनकी नियुक्ति की जानी होती है उनकी पूरी जांच पड़ताल की जाती है और गुप्तचर एजेंसियां इस रिपोर्ट को गुप्त रखती हैं।

सूत्रों के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने यह अप्रत्याशित कदम उठाने से पहले चार दिन तक चर्चा की गई और इसके फायदे नुकसान को परखा था।

जजों की नियुक्ति पर सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच कटु तकरार का यह नवीनतम चरण है।

सरकार जजों की नियुक्ति में महती भूमिका चाहती है जो कि वर्ष 1993 से ही सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम का विशेषाधिकार बन गया है। कोलीजियम सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठतम जजों का एक पैनल है।

सरकार का तर्क है कि व्यवस्थापिका सर्वोच्च है क्योंकि यह जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व करती है।

सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच संविधान को लेकर भी विवाद चलता रहता है कि इसके किस भाग को संसद बदल सकती है या फिर जजों की नियुक्ति के सिस्टम के लिए क्या बदलाव कर सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कोलीजियम सिस्टम देश का कानून है जिसका पूर्णतया पालन किया जाना चाहिए।

रिजीजू अक्सर जजों की नियुक्ति में पारदर्शिता नहीं होने की बात करती है। कल ही उन्होंने कहा था कि जजों को चुनाव लड़ने या जनता का सामना करने की जरूरत नहीं है। कानून मंत्री ने कल एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि, लोग आपको देख रहे है और जज कर रहे है। आपके फैसले, काम करने का तरीका, आप कैसे न्याय करते है लोग देख सकते है और राय बना सकते हैं।"

लखनऊ में तीन मंजिला इमारत ढही, तीन लोगों की मौत

- राहत एवं बचाव कार्य जारी, मलबे में 30 से 40 लोगों की फंसे होने की आशंका।

लखनऊ, 24 जनवरी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के वजीर हसन इलाके में एक तीन मंजिला इमारत जमींदोज हो गई। इस हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत हो गयी है। मलबे के नीचे 30-40 लोगों के फंसे होने की आशंका है। पुलिस औऱ फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। लखनऊ डी.एम. सूर्य पाल गंगवार ने मीडिया को जानकारी दी है कि 9 लोगों को रेस्क्यू कर अस्पताल भेजा गया है। एन.डी.आर.एफ., दमकल कर्मी मौके पर मौजूद हैं और बचाव कार्य जारी है।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लखनऊ में वजीर हसनगंज रोड पर एक रिहायशी इमारत गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई है। पुलिस मौके पर मौजूद है और बचाव कार्य जारी है। घटनास्थल पर पहुंचे पाठक ने कहा, इमारत अचानक ढह गई। 3 शव मिले हैं और उन्हें अस्पताल भेजा गया है। एन.डी.आर.एफ., दमकल कर्मी मौके पर मौजूद हैं, बचाव अभियान जारी है। उन्होंने जानकारी दी है कि 9 लोगों को रेस्क्यू कर अस्पताल भेजा गया है। वे बेहोश थे। रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। लोग कह रहे हैं कि बिल्डिंग में 30-35 परिवार रह रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिया संज्ञान एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुर्घटना का संज्ञान लिया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600